जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, शुक्रवार 9 अगस्त, 2024

विचार बिन्दु

अपने भाई बंधु जिसका आदर करते हैं, दूसरे भी उसका आदर करते हैं। –महाभारत

Justice Delayed is Justice Denied

(न्याय में विलम्ब, न्याय नहीं मिलने के समान है)

संविधान लागू होने के बाद से न्याय व्यवस्था में बहुत परिवर्तन आया है। सर्वोच्च न्यायालय को प्रारम्भ में कोर्ट ऑफ जस्टिस कहा गया था; किन्तु बाद में इसे कोर्ट ऑफ लॉ कहा गया है।

संविधान के प्रियम्बल में यह घोषणा की गई है, कि देश के नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक न्याय प्राप्ति का अधिकार है और वह नागरिक का मूल अधिकार है साथ ही राज्य का कर्त्तव्य है कि न्याय सबको प्राप्त हो। न्याय सस्ता, सुलभ व त्वरित हो। विलम्ब से दिया गया न्याय, न्याय नहीं मिलने जैसा है। अनुच्छेद 21 हमें गरिमा मय जीने का अधिकार देता है। त्वरित न्याय प्राप्त करना व्यक्ति का मूल अधिकार है।

देश के सभी न्यायालय में लाखों मुकदमें निर्णय की प्रतीक्षा में हैं। लोग न्याय की प्रतीक्षा में घुट-घुट कर मर रहे हैं। जेल भीड से भरे हैं न तो पर्याप्त न्यायालय हैं और न न्यायाधीश। न्यायालय व सरकार विलम्ब के दोषी हैं, मुक्ति की कोई राह नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट में लगभग 50 Constitution Bench के केसेज संवैधानिक विषयों के अन्तिम निर्णय की प्रतीक्षा में हैं। हाँ, यह भी सच है 1994 से अभी तक 2192 केसों का निस्तारण हो चुका है।

कानून है, ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश के विरूद्ध हाईकोर्ट में रिट् याचिका नहीं होगी। हाईकोर्ट का अपना ही फैसला है कि रिट नहीं होगी, किन्तु मर्यादा का उल्लंघन कर वही हाईकोर्ट रिट याचिका में स्टे देता है। कई मामले इस विषय के बाबत सुप्रीम कोर्ट में लम्बित है, किन्तु निर्णित नहीं होते और अनियमितता के केस बढ़ रहे हैं। जबकि त्वरित न्याय की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ ने क्रिमिनल अपील नं. 812 में छत्तीसगढ हाईकोर्ट के विरूद्ध एक तीखी टिप्पणी की थी। आरोपी अपराध के लिये जेल में 9 वर्ष रहा जो इसने किया ही नहीं था। केस में कोई शहादत नहीं थी केवल Last Seen की थ्योरी पर सजा दी गई है वह भी यह कह कर कि Last Seen की थ्योरी से जो Presumption कानून मानता है, अपराधी उसे Rebut नहीं कर पाया है। केस में PW 1 की शहादत थी कि मृतक की मृत्यु 5 PM को घर में हुई थी व अपराधी घर ही 7 PM को आया था। मृतक अपराधी की पत्नी थी। इस प्रकार Presumption को Discharge करने का प्रश्न ही पैदा नहीं होता। केस में दो गवाह थे वे दोनों की Hostile घोषित किये गये। कोर्ट ने कहा कि इस शहादत का सर्वथा अभाव है कि मृतक व अपराधी दोनों 5 बजे शाम को साथ-साथ थे। माननीय न्यायालय ने माना न्यायालयों के पास समय नहीं है। जस्टिस ऑका ने यह भी टिप्पणी की कि स्टेट Acquital के विरूद्ध अपील फाईल कर देती है और इस कारण भी केस के निस्तारण में समय बर्बाद हो जाता है।

दिनांक 29 जुलाई 2024 के समाचार पत्र The Times of India के प्रथम पृष्ठ पर समाचार पढ़ा। यह समाचार ट्रायल कोर्ट द्वार जमानत देने के सम्बन्ध में था। माननीय मुख्य न्यायाधीश ने अपने भाषण में कहा था कि Trial Judges Play Safer by Not Granting Bail माननीय मुख्य न्यायाधीश डी वाई चन्द्रचूड़ ने कहा कि धीरे-धीरे संवैधानिक मूल्यों का तथा व्यक्ति की स्वतंत्रता (Liberty) का मूल्यांकन घटता जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट में 5 सालों में केसेज की Pendency 35% बढ़ रही है। 62 लाख केसों से बढ़कर 46.8 लाख हो गये हैं। हाई कोर्टस् में 2019 से 2023 तक यह Pendency 48.6 लाख से 62 लाख बढ़ गई है। नीचे की अदालतों में यह Pendency 4.4 करोड़ है। कानून मंत्री मेघवाल ने ये आंकडे संसद में दिये हैं। इसके कारण भी बताये हैं। इन आंकडों से अंदाज लगाया जा सकता है कि न्यायालय विलम्ब के बोझ से दबे हुये हैं। इसका अर्थ है जनता को न्याय नहीं मिल रहा है। यों भी न्याय बहुत मंहगा है और विलम्ब तो इतना भी है कि पीढ़ी खत्म होने पर भी न्याय नहीं मिलता।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट आर एम लोढ़ा ने राजस्थान हाईकोर्ट की प्लेटिनम जुबली के दिनांक 04.08.2024 के समारोह में बढ़ती संख्या के कारण त्वरित न्याय नहीं मिलने पर सलाह दी कि न्यायालय के द्वार 365 दिन खुलने चाहिये। विचार क्रान्तिकारी है। जब जलदाय विभाग और अस्पताल 365 दिन काम करते हैं तो न्याय का द्वार 24 घंटे खुला ही रहना चाहिये। तीन नये कानून देश में लागू किये गये हैं। ये हैं– सीआरपीसी, आईपीसी व एवीडेन्स एक्ट के नये रूप। इनमें भी विलम्ब के कोई सकारात्मक उपाय नहीं बताये गये हैं।

लेखक का अपना मत है प्रत्येक हाईकोर्ट को अपना स्वंय का Jurisprudence बनाना होगा। जमानत के मामलों में सीजेआई के स्पष्ट विचार उपरोक्त चरण में दिये गये हैं। जमानत देना व न देना कानून संचालित करता है; किन्तु सर्वपरी है मजिस्ट्रेट व जज का अपना विवेक । कुछ समय पूर्व Liberty में यह संशोधन हुआ था कि 7 वर्ष की सजा तक के केसेज में साधारण रूप से जमानत ली जा सकती है किन्तु लागू नहीं हुआ। सर्वमान सिद्धान्त है कि आरोपी को निर्दोष माना जावे और उसे स्वीकार किया जावे कि संविधान उसे Cr.PC का अधिकार देता है। यदि मजिस्ट्रेट व जज का विवेक सही है तो अपील कोर्ट का आदेश भी उसे निरस्त नहीं कर सकता। वर्तमान में जमानत के प्रावधान (Non bailable Offences esa) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 480 में दिये गये हैं। जिसके अनुसार किसी व्यक्ति के संबंध में यह शंका है कि उसने Non bailable Offence किया है और पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है तो उसे जमानत पर रिहा किया जा सकता, किन्तु यदि उसके विरूद्ध यदि अपराध का आरोप ऐसा है, जिसमें सजा आजन्म कारावास अथवा मृत्यु है तो उसे जमानत नहीं दी जावेगी। इसके अतिरिक्त यदि परिस्थितियों उपधारा (ii) धारा 480 की है तो उसे जमानत नहीं दी जावेगी।

हम डिजीटल युग में रह रहे हैं अतः गवाहों आरोपियों की तलबी में उसका प्रयोग होना चाहिये। क्रॉस एग्जामिनेशन में थोडा कठोर भी मजिस्ट्रेट हो सकता है। कोर्ट में बार व बैंच का सम्बन्ध मधुर, सौहार्द्रपूर्ण हो तो काम सुलभ होगा। हाईकोर्ट में समय बहुत नष्ट होता है। कोर्ट के दो घंटे तो सर्विस, आदेश, आदि में समाप्त हो जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय व सीजेआई की सलाह जिसका ऊपर उल्लेख किया है साथ ही व्यक्ति को Liberty का संवैधानिक अधिकार है, ऐसी स्थिति में जमानत लिया जाने के पक्ष में मजिस्ट्रेट का विवेक काम में आना चाहिये। जमानत लिये जाने से ट्रायल भी शीघ्र पूरी होगी। मजिस्ट्रेट को जमानत के बाद उचित शर्ते लगाने और साथ ही जमानत निरस्त करने का अधिकार भी है। इस प्रक्रिया से जेलों पर जो भार बढ़ा हुआ है वह भी कम होगा और जेलों की व्यवस्था भी सुधरेगी। माननीय सीजेआई के अनुसार हाईकोर्ट का कर्त्तव्य है कि वे स्वंय जमानत के प्रावधानों की निर्भिकता से पालना करें और अधीनस्थ न्यायालयों में विश्वास का साहस भरें।

प्रत्येक कोर्ट को अपना प्रोसीजर कानून के दायरे में बनाना चाहिये। गवाहों के बुलाने और तारीख बदलने का काम अपने विवेक से चलाना चाहिये। मजिस्ट्रेट जमानत का काम एक घंटे में निपटा सकता है। फाईल पढ़कर आवे और जमानत का केस है तो मजिस्ट्रेट बिना सुने जमानत का आदेश पारित कर सकते हैं। जमानत के आदेश को तत्काल सुनाना चाहिये, उसको स्थगित करना उचित नहीं है।

हम डिजीटल युग में रह रहे हैं अतः गवाहों आरोपियों की तलबी में उसका प्रयोग होना चाहिये। क्रॉस एग्जामिनेशन में थोडा कठोर भी मजिस्ट्रेट हो सकता है। कोर्ट में बार व बैंच का सम्बन्ध मधुर, सौहार्द्रपूर्ण हो तो काम सुलभ होगा।

हाईकोर्ट में समय बहुत नष्ट होता है। कोर्ट के दो घंटे तो सर्विस, आदेश, आदि में समाप्त हो जाते हैं। सर्विस व प्लीडिंग्स का कार्य Judicial Registrar को सौंप देना चाहिये। जिन केसेज में स्टे की मांग है जैसे रिटों के मामलों में, उनमें अधिकांश में Final Disposal का नोटिस भेजा जाना चाहिये ताकि Admission की स्टेज पर है केस निर्णित हो सके। प्रथम अपील को As of Right के आधार पर Admit करना चाहिये। Possession (कब्जे) का जहां तक प्रश्न है उसके समयबद्ध स्थगन आदेश दिया जाना चाहिये और फिर अपील का निर्णय। प्रत्येक केस में यह जानकारी फरीकों से पूछी जानी चाहिये कि क्या हाईकोर्ट अथवा सुप्रीम कोर्ट का कोई केस इस पर लागू है उसके आधार पर (प्रसीडेन्ट के मानकर) केस का Disposal किया जा सकता है।

एक्सीडेन्ट क्लेम व कन्जूमर फॉरम के केसों में कम या ज्यादा मुआवजा कर केसों का निपटारा करना चाहिये। जहां तक संभव हो लोक अदालत की भावना से भी केस निर्णित किया जा सकता है।

अपील केसों में फैसले में केवल आवश्यक तथ्यों को ही लिया जावे। ध्ले को सीमित किया जावे। जहां अधिकार क्षेत्र (Jurisdiction) का प्रश्न है, उसे पहले निर्णित किया जावे किन्तु विकल्प में गुणदोष के आधार पर भी फैसला दिया जावे ताकि Remand पर विलम्ब से बचा जावे।

रिट ज्यूरिस्डीकशनल मामलों में कोर्ट बहस के लिये समय सीमा की बन्दिश लगा सकती है और दोनों पक्षों से यदि वे चाहें तो लिखित बहस देने का आदेश भी दे सकती है। निर्णय के लिये यदि अपने ही हाईकोर्ट का निर्णय है, अथवा सुप्रीम कोर्ट का निर्णय हो तो अन्य नजीरों को फैसले में शामिल कर निर्णय को बोझिल न बनायें।

प्रयत्न करना चाहिये कि एक ही श्रेणी के केसों को शीघ्र से शीघ्र निपटारा किया जावे। उदाहरण के तौर पर टैक्स के मामले हैं। टैक्स के केसों में दो प्रकार के स्टे नहीं होने चाहिये। जैसे एक केस में टैक्स की पूरी रिकवरी पर रोक लगाई है और दूसरे केस में 50 प्रतिशत टैक्स जमा कराई जाने का आदेश हो।

पुराने पेन्डिंग केसों को सप्ताह के एक दिन लगाये जावें। इससे पूर्व रजिस्ट्री को पेन्डिंग केसों का Clasification कराया जावे। कई केसेज ऐसे मिलेंगे, जिनका अभिप्राय ही समाप्त हो चुका है। फौजदारी केसों में अधिकांश केसों को Already Undergone सजा के आधार पर निर्णित किया जा सकता है। कई केस ऐसे मिलेंगे, जो वस्तुतः सिविल नेचर के हैं। ब्रीच ऑफ कॉन्ट्रेक्ट के केसों को 420 IPC या जालसाजी का केस बनाया गया है। उसका निस्तारण किया जा सकता है। सन् 1966 का एक Covenent nw International Covenent on Civil and Political Rights, 1966 जिसमें निर्देश दिया है कि Civil Liability के कारण व्यक्ति को जेल नहीं भेजा जा सकता। (Article 16: No one shall be imprisoned merely on the ground of inability to fulfil a contractual obligation) का भाग है और कोर्ट में Enforceable है।

हाईकोर्ट का Writ Jurisdiction, Extraordinary Jurisdiction कहा जाता है, क्योंकि Ordinary Jurisdiction सिविल कोर्ट का है। प्रायः यह देखने में आया है कि हाईकोर्ट की कई बैंचे हाईकोर्ट के अनुच्छेद 226 व 227 में सही भेद नहीं कर रही है। हाईकोर्ट का अनुच्छेद 227 के तहत् जो अधिकार क्षेत्र है वह रिव्यू जैसा है। अनुच्छेद 227 स्पष्ट कहता है कि हाईकोर्ट को इस अनुच्छेद के अन्तर्गत अधीक्षण का अधिकार है और वह उन कोर्टस् व ट्रिव्यूनलस् पर है जो हाईकोर्ट के अधिकार क्षेत्र में आती हैं।

जिन केसेज पर सुप्रीम कोर्ट की नजीर सीधी लागू होती है, उसे केवल एक या दो पैरा के आदेश से निर्णित किया जा सकता है।

यहाँ लेखक ने कुछ सिद्धान्तों का ही उल्लेख किया है। ऐसे कई उपाय हैं, जिनसे केसेज की पेन्डेन्सी को रोका जा सकता है, कम किया जा सकता है और जनता को त्वरित न्याय दिलाया जा सकता है।

न्याय सबको सस्ता, सुलभ व त्वरित प्राप्त हो।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

सलाम- विनेश फोगाट!

राजेन्द्र भाणावत

आप शीर्षक पढ़कर चौंकिए मत। आप सोच रहे होंगे कि उस विनेश फोगाट को सलाम क्यों किया जा रहा है जिसे वजन अधिक वजन होने के कारण ओलंपिक की कुश्ती प्रतियोगिता के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया। यह सही है, किंतु यह भी सही है कि इसी विनेश फोगाट ने 6 अगस्त 2024 को भारतीय कुश्ती में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित कराया था। विनेश ने 50 किलोग्राम कुश्ती वर्ग में पहली बार भाग लेते हुए गत ओलंपिक चैंपियन और 82 कुश्तियों से अजेय जापान की पहलवान सासुकी को परास्त किया था। इसी विनेश फोगाट ने उसी दिन क्वार्टर फाइनल एवं सेमीफाइनल में दो और मजबूत पहलवानों को हराते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया था। इसी विनेश फोगाट ने पहली महिला भारतीय पहलवान होने का गौरव प्राप्त किया जिसने ओलंपिक के फाइनल में प्रवेश किया। अगले दिन, अर्थात 7 अगस्त को सायं उसका मुकाबला अमेरिका की पहलवान फ़िल्डब्रांट से होने वाला था। प्रातः काल जब उसका वजन लिया गया तो वह 50 किलो से 100 ग्राम अधिक निकला। फलस्वरूप उसे पूरी प्रतियोगिता के लिए ही अयोग्य घोषित कर दिया।

कहा जाता है कि पूरी रात, विनेश ने जाग कर विभिन्न प्रकार की कसरत करके, अपने स्टाफ की देखरेख में अपना वजन लगभग 2.7 किलो घटाकर 50 किलो से कम करने का पूरा प्रयास किया। जब औपचारिक रूप से इसका वजन 7 अगस्त को प्रातः लिया गया तो वह 100 ग्राम अधिक निकला। ओलंपिक नियमों के अनुसार उसे पूरी प्रतियोगिता के लिए अयोग्य घोषित कर दिया और उसके द्वारा जीती हुई तीन कुश्तियां भी बेकार हो गई। इस खबर ने पूरे देश को स्तब्ध और दुःखी कर दिया। यह नियम विचित्र है, क्योंकि जिन तीन कुश्तियां को उसने जीता वह नियमानुसार बिल्कुल सही थी और यदि फाइनल से पूर्व अयोग्य भी होती, तो उसे फाइनल खेलने से वंचित करके रजत पदक का हकदार माना जा सकता था। यह बात तो नियमों की हुई। अब सीएएस के यहां अपील कर दी गई है, उसके फैसले पर निर्भर करेगा कि क्या विनेश को रजत पदक दिया जाएगा या नहीं? संभावना तो यही है कि उसे किसी प्रकार का कोई पदक नहीं मिलेगा।

भले ही, विनेश ने ओलंपिक पदक गवां दिया हो, किंतु वह एक जुझारू भारतीय महिला का चेहरा बनकर उभरी है। यह वही विनेश फोगाट है, जिसने कुश्ती संघ के तत्कालीन अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के विरुद्ध महिला पहलवानों के यौन शोषण का आरोप लगाकर, साथी पहलवानों बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक के साथ दिल्ली की सड़कों पर 2023 में आंदोलन किया था। यह वही विनेश फोगाट है जिसे धरने से उठाने के लिए पुलिस द्वारा सड़कों पर घसीटा गया और उनके विरुद्ध एफ आई आर दर्ज की गई। यह वही विनेश फोगाट है जिसे बृजभूषण शरण सिंह ने चुका हुआ कारतूस और खोटा सिक्का कहा था और यह भी कहा कि वह उसका करियर बर्बाद कर देगा। ये सब दृश्य आज भी कमरे में कैद हैं। यदि और कोई महिला होती और वह विनेश फोगाट नहीं होती, तो कभी की टूट चुकी होती और सन्यास ले चुकी होती। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक ने तो थक-हार कर प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से संन्यास लेने की घोषणा भी कर दी। दुखद आश्चर्य की बात है कि जब भारत के गौरव ये पहलवान, बृजभूषण सिंह के विरुद्ध आंदोलनरत थे तो प्रधानमंत्री ने एक बार भी इस बारे में कुछ नहीं बोला, इन्हें मिलने के लिए बुलाना तो दूर की बात है। विनेश फोगाट कुछ सालों से 53 किलो ग्राम कुश्ती वर्ग में खेल रही थी किन्तु ओलंपिक में उसे 50 किलो ग्राम वर्ग में भेजा गया। इस हेतु उसे कई किलो वजन कम करना पड़ा। नई श्रेणी में प्रवेश के कारण उसे कोई सीडिंग नहीं मिली और उसका मुकाबला पहले ही राउंड में ओलंपिक विजेता पहलवान जापान की सासुकी से हुआ। इसके बावजूद सबको अचंभित करते हुए विनेश ने अपने दम पर जापान के पहलवान को 10 वर्षों में पहली बार हराया।

शायद, विनेश के फाइनल में प्रवेश से सत्ताधारी दल और सरकार बहुत प्रसन्न नहीं थे। अन्यथा, पहली बार भारतीय महिला पहलवान के ओलंपिक फाइनल में पहुंचने पर प्रधानमंत्री द्वारा उसे बधाई और शुभकामना संदेश देने के लिए 6 अगस्त को कोई ट्वीट या फोन अवश्य किया जाता जैसा कि वे सामान्यतया करते रहे हैं। 7 अगस्त को, जब विनेश को अयोग्य घोषित कर दिया गया तो प्रधानमंत्री ने उसके कसीदे पढ़े और उसे 'चैंपियनों का चैंपियन' बताया। यह बात भी आसानी से गले नहीं उतरती कि, क्या विनेश फोगाट, जो 2 किलो से अधिक वजन कम कर सकी, वह 100 ग्राम वजन और कम नहीं कर सकती थी? यह प्रश्न भी अभी तक अनुत्तरित है कि उसका वजन ढाई किलो कैसे बढ़ गया? क्या उसके स्टाफ ने उसकी डाइट पर कोई निगरानी नहीं रखी, यह जानते हुए भी कि अगले दिन उसे फिर कुश्ती लड़नी पड़ेगी एवं उसके लिए सुबह फिर उसका वजन होगा? पहलवान तो केवल कुश्ती लड़ सकता है, उसके लिए डाइट, कसरत से वजन, निर्धारित सीमा में रखने की जिम्मेदारी उसके कोच, फिजियोथेरेपिस्ट, डॉक्टर आदि की ही थी। आशंका यह है कि क्या यह सब यही चाहते थे कि विनेश को सबक सिखाया जाए ताकि जिस लड़की ने सिस्टम को चुनौती दी, वह सिस्टम से कहीं जीत न जाए? यही हुआ और उसके पूरे जुझारूपन के बावजूद सिस्टम उस पर हावी हो गया और अधिक वजन के कारण उसे अयोग्यता का शिकार होना पड़ा। अब जबकि विनेश ने कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है, वह भारतीय महिलाओं के लिए एक रोल मॉडल बन चुकी है। उसे ओलंपिक पदक भले ही न मिला हो, किंतु आज वह सब भारतीयों के दिलों पर राज कर रही है। विनेश फोगाट ने ऐसे समाज में सिस्टम को चुनौती दी, जहां लड़कियों को केवल पुरुषों का आज्ञाकारी बनाया जाता है, उनसे यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वे प्रश्न करें एवं संघर्ष करें। इन सारी स्थापित मान्यताओं को चुनौती देते हुए विनेश ने संघर्ष का रास्ता चुना और सभी प्रतिरोधों का मुकाबला करते हुए भी पुनः उठ खड़ी हुई। सिस्टम के कारण उसे पदक न मिला हो, किंतु उसके अयोग्य घोषित होने पर जो प्रश्न उठ रहे हैं, उनका उत्तर तो भारतवासी पूरे कुश्ती तंत्र से मांग ही रहे हैं। इनका उत्तर, आज नहीं तो कल, उन्हें देना ही होगा कि कैसे उनकी अक्षमता और उदासीनता के कारण एक सर्वकालिक महान भारतीय महिला पहलवान को ओलंपिक के स्वर्ण अथवा रजत पदक से वंचित रहना पड़ा? किसी भी विशेषज्ञ ने इस बात का ध्यान क्यों नहीं रखा कि विनेश को क्या डाइट दी जा रही है एवं उससे किस प्रकार उसका वजन बढ़ेगा? औपचारिक रूप से वजन के लिए जाने से पूर्व भी तो भारतीय दल ने विनेश का वजन कई बार लिया ही होगा। यह बात गलत नहीं उतरती है कि 2 किलो वजन कम किया जा सकता है, तो 100 ग्राम और कम क्यों नहीं किया जा सका?

अंत में हम यही कहेंगे कि विनेश, आपने भारतीय महिलाओं के लिए वह कर दिखाया है जो शायद ओलंपिक का स्वर्ण पदक भी नहीं कर पाता। आपने उन्हें संघर्ष की राह दिखाई है, सवाल करने का हौसला दिया है। आपने यह सिद्ध कर दिया है कि आपको परेशान किया जा सकता है, पराजित नहीं। इसीलिए आपको सलाम करने का मन करता है। सलाम, विनेश।

–राजेन्द्र भाणावत,
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

बजट 2024 में रोजगार सृजन के सार्थक प्रयास

देश के सतत विकास के लिए युवा शक्ति की क्षमता का पूरी तरह दोहन करने की आवश्यकता है। इस दृष्टि से रोजगार सृजन लंबे समय से भारत की आर्थिक नीति का एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। भारत सरकार की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश बजट 2024 में विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के उद्देश्य से कई रणनीतिक उपायों की रूपरेखा दी गई है। ये पहल एक बहुआयामी दृष्टिकोण को दर्शाती हैं, जो तत्काल रोजगार सृजन और दीर्घकालिक कार्यबल विकास दोनों ही समस्याओं का निराकरण करती हैं। इस लेख में हम बजट में रोजगार सृजन के लिए किए गए उपायों और उनके प्रभाव की व्याख्या करेंगे।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) का विस्तारः प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) को समर्थन देने के लिए भारत सरकार के प्रयासों की आधारशिला रहा है। बजट 2024 में, सरकार ने 15,000 करोड़ रुपए के बढ़े हुए आवंटन के साथ पीएमईजीपी कार्यक्रम का काफी विस्तार किया है। इस विस्तार का उद्देश्य नए और मौजूदा एमएसएमई को बेहतर वित्तीय सहायता और सब्सिडी प्रदान करना है, जिससे उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा और नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। बढ़ाया गया पीएमईजीपी ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों को लक्षित करेगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि रोजगार सृजन समावेशी हो। युवा और महिला उद्यमियों को समर्थन देने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिसमें ऋण पर कम ब्याज दरें और व्यावसायिक कौशल विकसित करने के लिए अतिरिक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देकर, सरकार को आने वाले वित्तीय वर्ष में कई लाख नए रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण पहलःरोजगार क्षमता बढ़ाने में कौशल विकास के महत्व को पहचानते हुए, बजट 2024 में व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल अधिग्रहण में सुधार के लिए कई उपाय पेश किए गए हैं। सरकार ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) और अन्य कौशल विकास कार्यक्रमों के विस्तार के लिए 10,000 करोड़ आवंटित किए हैं।

बजट में निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ साझेदारी में नए कौशल विकास केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है। ये केंद्र प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण जैसे उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इसके अतिरिक्त, सरकार उद्योग-विशिष्ट प्रमाणन कार्यक्रम शुरू करने की योजना बना रही है जो बाजार की मांग के अनुरूप हों, जिससे शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई को पाटा जा सके।

स्टार्ट-अप और नवाचार के लिए समर्थनः स्टार्ट-अप रोजगार सृजन और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण कारक हैं। बजट 2024 में, सरकार ने कर प्रोत्साहन और नियमों का सरलीकरण करके स्टार्ट-अप का समर्थन करने के उद्देश्य से एक नई पहल की है। बजट में स्टार्ट-अप के लिए कर लाभों के तीन साल के विस्तार के साथ-साथ पंजीकरण और वित्तपोषण के लिए एक सरल आवेदन प्रक्रिया का प्रस्ताव है। सरकार ने विशेष रूप से प्रौद्योगिकी और हरित ऊर्जा क्षेत्रों में स्टार्ट-अप के लिए एक नए 5,000 करोड़ रुपए के फंड की भी घोषणा की है। यह फंड उन नवोन्मेषी परियोजनाओं के लिए उद्यम पूंजी समर्थन और अनुदान निधि प्रदान करेगा जिनमें महत्वपूर्ण रोजगार अवसर पैदा करने की क्षमता है।

बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाएंः बुनियादी ढांचे के विकास का रोजगार पर कई गुना प्रभाव पड़ता है। बजट 2024 में सड़क निर्माण, शहरी विकास और स्मार्ट सिटी पहलों सहित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए रिकॉर्ड 3 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इस आवंटन से निर्माण क्षेत्र में प्रत्यक्ष रूप से और संबंधित उद्योगों के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से लाखों रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

सरकार उन परियोजनाओं को प्राथमिकता देने की योजना बना रही है जो क्षेत्रीय विकास को प्रोत्साहित करेंगी, जिससे रोजगार में क्षेत्रीय असमानताओं को दूर किया जा सकेगा। राजमार्गों और रेलवे जैसे परिवहन बुनियादी ढांचे में निवेश से बेहतर कनेक्टिविटी की सुविधा मिलने, क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा मिलने और रोजगार के व्यापक अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

कृषि क्षेत्र में रोजगार को बढ़ावा देनाः भारत में रोजगार के लिए कृषि एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बना हुआ है, जिसमें कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा इस पर निर्भर है। बजट 2024 में आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी अपनाने के माध्यम से कृषि क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने के उपाय पेश किए गए हैं। सरकार ने कृषि अनुसंधान, प्रौद्योगिकी एकीकरण और टिकाऊ खेती प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए 20,000 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं।

बजट में कृषि-व्यवसाय इनक्यूबेटरों की स्थापना और कृषि-प्रसंस्करण इकाइयों के लिए समर्थन के प्रावधान भी शामिल हैं। ये पहल कृषि क्षेत्र में नए रोजगार के अवसर पैदा करने और कृषि उत्पादों का मूल्य जोड़ने के लिए डिज़ाइन की गई हैं, जिससे किसानों की आय और रोजगार की संभावनाओं में सुधार होगा। सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार और सुधारः सरकार ने दक्षता और रोजगार सृजन में सुधार के उद्देश्य से सार्वजनिक क्षेत्र में सुधारों की भी घोषणा की है। बजट 2024 में स्वास्थ्य, शिक्षा और कानून प्रवर्तन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए केंद्र सरकार के विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में मौजूदा रिक्तियों को भरने की योजना शामिल है।

-राम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मिठाई की दुकान से सैम्पल लिए

मिठाई विक्रेता द्वारा एक ग्राहक को पुराना रखा घेवर बेच दिए जाने और ग्राहक द्वारा उसे उपयोग लेने के दौरान मरे हुए मकोड़े मिले थे

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के इंदिरा मार्केट स्थित एक मिठाई विक्रेता द्वारा एक ग्राहक को पुराना रखा घेवर बेच दिए जाने और उसे उपयोग लेने के दौरान मरे हुए मकोड़े पाए जाने पर ग्राहक द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को शिकायत की गई। इस पर अधिकारी द्वारा मामले को गंभीरता से लिया जाकर दिखाई जाने की बात कही, लेकिन मिठाई विक्रेता पर किसी तरह की कार्रवाई अमल में नहीं लाई गई। इस पर ग्राहक ने तत्काल एक लिखित शिकायत जिला कलेक्टर को दी। इसके बाद हरकत में आए विभाग के जिम्मेदारों ने देर शाम को उक्त दुकान से मिठाईयों के सैम्पल लिए।

जानकारी के अनुसार तिलकनगर निवासी ग्राहक राजेश जीनगर ने इन्द्रा मार्केट स्थित ब्यावर वाले के यहां 270 रूपए देकर घेवर लिया। जिसे घर पर खाने के दौरान सर्व करने पर मरे हुए मकोड़े पाए गए। इस बात की शिकायत दूरभाष पर सीएमएचओ डॉ. सीपी गोस्वामी को दी गई, जिस पर सीएमएचओ गोस्वामी ने उक्त मिठाई विक्रेता पर कार्रवाई करने की बात कही, लेकिन दोपहर तक भी किसी तरह की कार्रवाई नहीं होने से ग्राहक द्वारा जिला कलेक्टर नमित मेहता को लिखित शिकायत देकर घटनाक्रम से अवगत करवाया गया और शिकायत पत्र में सीएमएचओ द्वारा मामले को गंभीरता से नहीं लेने की बात भी कही गई। इसके बाद हरकत में आए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की एक टीम ने दुकान पर पहुंचकर जांच के हेतु सैम्पल लिए।

राशिफल शुक्रवार 9 अगस्त, 2024

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 11:34 तक, शिवयोग दिन 12:29 तक, वणिज करण दिन 11:21 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

रवियोग रात्रि 2:44 तक है। आज वरद विनायक चतुर्थी, दुर्वा गणपति व्रत है और श्रवण तपस्या आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 7:37 तक, चर 10:54 से 12:32 तक, लाभ-अमृत 12:32 से 3:49 तक, शुभ 5:28 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:59, सूर्यास्त 7:05

मेष

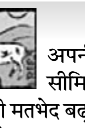

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

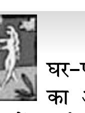

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

कर्क

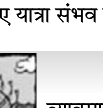

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

आर्थिक/वित्तिय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास ऊंचा रहेगा।

कन्या

परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

घर-परिवार में कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 277 प्रभात उदयपुर, शुक्रवार 9 अगस्त, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में स्पेन को हराकर भारत के लिए चौथा ब्रॉन्ज़ मैडल जीत लिया है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में टोक्यो ओलंपिक 2020 के प्रदर्शन को दोहराया है। भारतीय टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुये स्पेन को 2-1 से हराकर इतिहास रचा है। पहले क्वॉर्टर के दौरान भारत ने नौ बार आक्रामक तरीके से स्पेन के सर्कल में प्रवेश किया लेकिन गोल करने में सफल नहीं हुये। इसके बाद स्पेन ने दूसरे क्वार्टर में फिर से आक्रामक शुरुआत करते हुए केवल तीन मिनट बाद मिले पैनल्टी स्ट्रोक का फायदा उठाते हुए 18वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। दूसरे क्वार्टर में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने पैनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर मुकाबले में 1-1 से बराबरी कर ली। तीसरे क्वार्टर में हरमनप्रीत ने 33वें मिनट में गोल दाग कर भारतीय टीम को 2-1 से बढ़त दिला दी और भारत ने अंत तक इस बढ़त को कायम रखकर यह मुकाबला जीत लिया। पेरिस 2024 ग्रीष्मकालीन खेलों में यह भारत का चौथा कांस्य पदक है और पुरुष हॉकी में यह 13वां ओलंपिक पदक है। म्यूनिख ओलंपिक 1972 के बाद यह पहली बार है जब भारत ने लगातार दो ओलंपिक पदक जीते हैं। ओलंपिक में मिली इस जीत के साथ ही भारतीय गोलकीपर पी.आर श्रीजेश ने संन्यास ले लिया। भारतीय हॉकी टीम ने एम्स्टर्डम ओलंपिक 1928 में स्वर्ण, लॉस एंजलिस 1932 में स्वर्ण, बर्लिन 1936 में स्वर्ण, लंदन 1948 में स्वर्ण, हैलसिंकी 1952 में स्वर्ण, मैलबर्न 1956 में स्वर्ण, रोम 1960 में रजत, टोक्यो 1964 में स्वर्ण, मेक्सिको सिटी 1968 में कांस्य, म्यूनिख 1972 में कांस्य, मॉस्को 1980 में स्वर्ण, टोक्यो 2020 में कांस्य और पेरिस 2024 में कांस्य जीता है।

सरकार अचानक वक्फ बोर्ड विधेयक को जे.पी.सी. को भेजने को तैयार क्यों हो गई?

कांग्रेस का कहना है, सरकार को मालूम था कि जे.पी.सी. का अध्यक्ष तो उसका सांसद ही बनेगा, जबकि सलैक्ट कमेटी का अध्यक्ष एन.डी.ए. का ही सांसद हो ऐसा जरूरी नहीं है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अगस्त। 'वक्फ अमेंडमेंट बिल', लोकसभा में पेश होने के बाद, विपक्षी दलों के भारी विरोध वे कारण, एक संयुक्त संसदीय समिति (जॉइन्ट पार्लियामेन्ट्री कमेटी-जे.पी.सी.) को सौंप दिया गया है। ज्ञातव्य है कि तेलगुदेशम पार्टी (टी.डी.पी.) सांसद हरीश बालयोगी ने कहा था कि उनकी पार्टी वक़्फ़ बोर्ड का समर्थन तो करती है लेकिन बेहतर यह होगा कि इस मुद्दे पर व्यापक विचार-विमर्श हो तथा इसलिये इसे किसी प्रवर समिति को सौंप दिया जाये।

इस पर, अल्पसंख्यक मामलात के केन्द्रीय मन्त्री किरन रिजिजू ने प्रस्तावित किया कि सरकार इसे जे.पी.सी. को सौंपने के लिये तैयार है।

- **कांग्रेस के अनुसार, कल बुधवार को बिजनैस एडवाइज़री कमेटी की बैठक में कांग्रेस ने मांग की थी कि वक्फ बोर्ड में संशोधन करने वाला विधेयक सदन में पेश करने से पहले सलैक्ट कमेटी में प्रस्तुत करना चाहिये।**
- **पर, अचानक बिना कुछ बातचीत हुए, सरकार जे.पी.सी. के गठन का प्रस्ताव लायी।**
- **कांग्रेस के अनुसार, अब आम चर्चा में यह सवाल है कि सरकार वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन का प्रस्ताव क्यों लायी है, क्या सरकार की निगाह वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति पर है या सरकार कुछ चहेते व्यक्तियों की अनुगृहित करना चाहती है। उदाहरण के लिये मुकेश अंबानी का बहुचर्चित मकान, वक्फ बोर्ड की जमीन पर बना हुआ है।**

लोकसभा अध्यक्ष ने सरकार से पुनः पूछा कि क्या सरकार इसे जे.पी.सी. के पास भेजना चाहती है तो सरकार ने कहा कि हाँ, वह इस विधेयक को जे.पी.सी. के पास भेजने के लिये तैयार है।

समझा जाता है कि कल बिजनेस एडवाइज़री कमेटी में कांग्रेस ने कहा था कि यह विधेयक स्थायी समिति (स्टैंडिंग कमेटी) के पास भेज दिया जाये। एक कांग्रेस नेता ने कहा कि जे.पी.सी. के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई, क्योंकि सरकार ने इस विषय में विपक्ष से विचार-विमर्श नहीं किया।

उल्लेखनीय है कि जे.पी.सी. सरकार के अनुकूल होती है क्योंकि इसके चेयरमैन उसके ही होते हैं तथा कमेटी में बहुमत भी सत्तापक्ष का होता है। इस बात की कोई गारन्टी नहीं होती कि किसी स्थाई समिति या प्रवर समिति के अध्यक्ष सत्तारूढ़ दल के ही हों।

सूत्रों का कहना है कि इस विधेयक को लाने के पीछे सरकार का लक्ष्य महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव हैं तथा ये चुनाव भाजपा के मुख्य निशाने पर हैं।

विपक्ष ने इस संशोधन विधेयक के कई प्रावधानों का विरोध किया है, जैसे-कलैक्टर को मध्यस्थता का अधिकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चंद्रबाबू नायडू के अमित शाह को किये गये फोन के बाद, वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक संसद में पेश होने से रूका

शायद पहली बार भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार किसी विधेयक को पेश करने का मन बना लेने के बाद पीछे हटी है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8अगस्त। घटनाक्रम में आये एक अप्रत्याशित मोड़ के अन्तर्गत, केन्द्र सरकार ने 'वक़्फ़ अमेंडमेंड बिल' एक संयुक्त संसदीय कमेटी को सौंप दिया। ज्ञातव्य है कि विपक्ष ने प्रस्तावित संशोधनों का कड़ा विरोध किया था तथा एन.डी.ए गठबन्धन के घटक दल तेलुगुदेशम पार्टी (टी.डी.पी.) ने इन पर आपत्ति जताई थी।

तेलुगुदेशम पार्टी सांसद बालयोगी ने कहा कि उनकी पार्टी सदन के पटल पर इस विधेयक को अपना "सशर्त समर्थन" दे रही है। समझा जाता है कि इस मुद्दे पर टी.डी.पी. प्रमुख एन.चन्द्रबाबू नायडू के एतराज के बाद सरकार ने इसे 'होल्ड' पर रखने का निर्णय ले लिया। इस मुद्दे पर चन्द्रबाबू नायडू एवं गृह मन्त्री अमित शाह के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई थी। इसे एक दुर्लभ अवसर ही कहा जायेगा, जब भाजपा के नेतृत्व वाली एन.डी.ए. सरकार ने अपने किसी विधेयक पर अपने कदम पीछे हटा लिये हों।

- **प्रस्तावित विधेयक में एक प्रमुख बात यह है कि वक्फ बोर्ड के अधिकारी पर कुछ अंकुश लगाते हुए, जिलाधीश को अधिकार दिये हैं, नियम कायदे बनाने के।**
- **साथ ही कुछ गैर मुस्लिम व्यक्तियों को और महिलाओं को वक्फ बोर्ड का सदस्य बनाने का भी प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। कांग्रेस के सांसद वेणुगोपाल ने गैर मुस्लिम को वक्फ बोर्ड की गवर्निंग समिति का सदस्य बनाने का विरोध किया और कहा, "जब राम मंदिर के निर्माण के लिये समिति का गठन किया गया था, तो क्या गैर हिन्दुओं को उस समिति का सदस्य बनाया गया था।"**
- **अखिलेश यादव ने इस संदर्भ में कहा, भाजपा को लोकसभा चुनाव में भारी झटका लगा था, अतः अब वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक लाकर भाजपा, अपने कट्टरपंथी (हार्ड लाइनर) खेमे को खुश करना चाहती है।**
- **विपक्ष के नेताओं ने यह भी कहा कि सरकार को कोई अधिकार नहीं है, वक्फ बोर्ड के काम में हस्तक्षेप करने का और वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन करने का।**

वक़्फ़ अधिनियम, 1995 में 44 संशोधन प्रस्तावित करने के बाद यह विधेयक तैयार किया गया था। अन्य चीजों के अलावा, इन संशोधनों का उद्देश्य राज्य वक़्फ़ बोर्डों के अधिकारों में कटौती करना तथा जिला मजिस्ट्रेटों को नियम तैयार करने के अधिकार देना था। इसके अलावा, वक़्फ़ बोर्डों में गैर-मुस्लिमों तथा महिलाओं को शामिल किया जाना भी प्रस्तावित किया गया है।

विपक्षी सदस्यों ने इस विधेयक पर संगठित प्रहार करते हुये, इसे "असंवैधानिक एवं मुस्लिम-विरोधी" बताया है। विपक्ष ने कहा है कि केन्द्र के पास वक़्फ़ बोर्डों के संचालन से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मु.मंत्री ने पुरूष हॉकी टीम को कांस्य जीतने पर बधाई दी

जयपुर, 8 अगस्त (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पेरिस ओलम्पिक में पुरूष हॉकी टीम को कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय टीम ने स्पेन के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए जो जीत दर्ज की है, वह पूरे देश के लिए स्वर्णिम पल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय हॉकी टीम ने लगातार दो ओलम्पिक्स में पदक जीता है, यह बात उनकी उपलब्धि को और खास बनाती है। शर्मा ने कहा कि दृढ़ निश्चय, कड़ी मेहनत एवं टीम भावना से प्राप्त यह ऐतिहासिक जीत पूरे देश के लिए गौरव का विषय है।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, शानदार प्रदर्शन कर स्पेन पर जीत दर्ज करना पूरे देश के लिए स्वर्णिम पल है।**

कालाडेरा में लोहा ढलाई फैक्टरी में बॉयलर फटा, एक की मौत 18 घायल

ओम कास्टिंग फैक्टरी में गुरूवार सुबह लोहा ढलाई के दौरान अचानक तेज धमाके से बॉयलर फट गया

चौमूं/कालाडेरा, 8 अगस्त (निसं)। कालाडेरा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित लोहा ढलाई फैक्टरी के बॉयलर (भट्टी) में विस्फोट होने से एक मजदूर की मौत हो गई और 18 मजदूर घायल हो गये। घायलों को एम्बुलैंस से कालाडेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर लाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद, सात घायलों को गम्भीर हालत होने पर जयपुर सवाईमानसिंह अस्पताल रैफर कर दिया। घायलों में से दो मजदूरों की हालत गम्भीर बनी हुई है। हादसे में घायल मजदूर सुरेश कुमार जाट (40) पुत्र नारायण लाल हाथनोदा थाना सामोद की उपचार के दौरान मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, ओम कास्टिंग फैक्टरी में लोहा ढलाई का कार्य किया जाता है। गुरुवार सुबह लोहा ढलाई के कार्य के दौरान फैक्टरी में लगे बॉयलर (भट्टी) में तेज धमाके की आवाज के साथ ही विस्फोट हो गया, जिससे फैक्टरी में हड़कंप मच गया।

- **बॉयलर के पास काम कर रहे मजदूर झुलस गए, उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, अस्पताल में एक मजदूर सुरेश कुमार जाट की मौत हो गई।**
- **घायलों में से गंभीर रूप से घायल लोगों को जयपुर के एस.एम.एस. अस्पताल भेजा गया है तथा बाकी का चौमूं के निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा है।**
- **हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और तहसीलदार डॉ. विजयपाल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे।**
- **सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा इंतजामात में भारी लापरवाही सामने आई है।**
- **विधायक डॉ. शिखा मील बराला पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने चौमूं में भर्ती घायलों से मुलाकात की।**

वहाँ काम करने वाले मजदूर बचाव के लिए भागने लगे, लेकिन बॉयलर (भट्टी) के पास काम करने वाले मजदूर झुलस गये। हादसे की सूचना मिलते ही कालाडेरा थाना पुलिस ने मय जप्ता घटना स्थल पर पहुंच कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। तहसीलदार डॉ. विजयपाल ने फैक्टरी का अवलोकन किया। कहा जा रहा है कि फैक्टरी में सुरक्षा उपकरणों को लेकर भारी लापरवाही सामने आई है। तहसीलदार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी ने पार्टी सांसदों की मीटिंग ली

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अगस्त। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज संसद में पार्टी के लोकसभा सदस्यों की बैठक ली और बांग्लादेश व चीन सहित कई मसलों पर चर्चा की।

लोकसभा में पार्टी के उपनेता गौरव गोगोई, पार्टी महासचिव (संगठन प्रभारी) के.सी. वेणुगोपाल के साथ मिलकर बैठक की अध्यक्षता करने वाले राहुल ने पार्टी सांसदों से अपील की कि वे जनता से जुड़े मुद्दे संसद में उठाए। राहुल गांधी ने बाद में एक्स पर

- **संसद परिसर में हुई इस बैठक में राहुल ने बांग्लादेश और चीन के मसले पर चर्चा की तथा पार्टी सांसदों से जनता के मुद्दे उठाने की अपील की।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'विपक्ष के कई नेता, जो अब बिल का विरोध कर रहे हैं, प्राइवेटली हमारे पास आकर विधेयक के पक्ष में बोलते थे'

केन्द्रीय मंत्री रिजीजू ने यह भी दावा किया कि इन नेताओं का कहना था कि वक्फ जमीनों पर माफिया का कब्जा है और बिल लाकर आप इन जमीनों को माफिया के कब्जे से मुक्त कर रहे हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अगस्त। लोकसभा में आज पेश हुए वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को व्यापक जांच के लिए जॉइन्ट पार्लियामैन्टरी कमेटी (जे.पी.सी.) के पास भेजने के लिए दृढ़प्रतिज्ञ विपक्ष ने मोदी सरकार को बाध्य कर दिया।

विधेयक को संसद में पेश करने वाले केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने विपक्ष द्वारा इस विधेयक को असंवैधानिक बताकर विरोध प्रदर्शन किए जाने के बाद इसे व्यापक जांच के लिए जे.पी.सी. के पास भेजने का प्रस्ताव रखा।

वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को लोकसभा में पेश किए जाने के बाद विपक्ष ने गुरूवार को विरोध प्रदर्शन किया और कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने इसे "कठोर" एवं संविधान पर हमला बताया।

रिजिजू के विधेयक पेश करने की मांग के तुरन्त बाद वेणुगोपाल ने इसे पेश किए जाने के विरोध में नोटिस देते हुए सरकार पर आरोप लगाया कि वह धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लघंन कर रही है और इसके जरिए देश के संघीय सिस्टम पर हमला बोल रही है।

उन्होंने कहा कि जनता ने भाजपा को उसकी विभाजनकारी राजनीति को लेकर एक सबक सिखाया था, लेकिन वह हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर अपनी राजनीति जारी रखे हुए हैं।

- **किरन रिजीजू ने कहा कि विपक्षी दल मुसलमानों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि, वक्फ बिल में किसी भी धार्मिक संस्था में हस्तक्षेप का कोई उल्लेख नहीं है।**
- **संशोधित विधेयक में यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है कि वक्फ बोर्ड में महिलाओं व गैर मुस्लिमों को भी प्रतिनिधित्व मिले।**

समाजवादी पार्टी के सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने कहा कि यह विधेयक धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ है।

उन्होंने कहा कि सैन्ट्रल वक़्फ़ बोर्ड काउन्सिल तथा ऐसे ही अन्य निकायों में गैर-मुस्लिमों की नियुक्ति मुस्लिमों के अधिकारों का उल्लंघन है।

तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) सांसद सुदीप बंधोपाध्याय ने कहा कि विधेयक विभाजनकारी, असंवैधानिक एवं गैर संघीय है।

द्रमुक सांसद कनिमोई ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि "यह संविधान, एक धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय तथा देश की संघीय व्यवस्था के खिलाफ है। यह किसी भी तरीके से न्याय नहीं दे रहा है।

मंत्री रिजिजू ने विपक्ष के भारी शोरशराबा करने के बाद संसद को बताया कि "सरकार एक संयुक्त संसदीय कमेटी का गठन करेगी और विधेयक को व्यापक जांच के लिए उसके पास भेजेगी। विधेयक पर वृहद चर्चा करें, और हितधारकों को बुलाए, उनकी राय सुने, विधेयक को कमेटी के पास भेजें तथा भविष्य में हम उनके सुझावों को खुले दिल से सुनेंगे।

वक़्फ़ (संशोधन) विधेयक 2024 के उद्देश्य एवं कारणों के अनुसार यह विधेयक वक़्फ़ की जायदाद के बारे में निर्णय लेने की वक़्फ़ बोर्ड की शक्तियों से संबंधित वर्तमान कानून की धारा 40 को समाप्त करना चाहता है।

रिजिजू ने विधेयक के पक्ष में दावा किया कि विपक्ष के कई सीनियर नेताओं ने विधेयक को निजी तौर पर मंजूर किया है। उन्होंने कहा कि "विपक्ष मुस्लिमों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हैदराबाद में नॉन वैज की डिलिवरी से इनकार है स्विगी को

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अगस्त। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद, यहां बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के कई ग्लोबल कैपेबिलिटी सैंटर्स हैं और आधुनिक तकनीक के साथ काम कर रहे हैं, को एक सदियों पुरानी धार्मिक सांस्कृतिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है जो कि भोजन से सम्बंधित है और शहर के नॉन वैज खाने वाले लोगों को परेशान कर रहा है।

- **कस्टमर्स का कहना है कि स्विगी व अन्य ऐप्स के डिलिवरी एग्ज़िक्यूटिव पूछते हैं, पैकेट में क्या है, अगर नॉन वैज होता है तो ऑडर नहीं लेते हैं।**

नॉन वैज (मांसाहारी) भोजन खाना अवैध करार नहीं दिया गया है और ऐसा हो भी नहीं सकता क्योंकि इस राज्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जैसलमेर में सोनार दुर्ग स्थित एक मकान की छत गिरी, हादसा टला

हाल ही में आई बारिश के बाद से मकान कमजोर हो गया था और छत गिर गई

- छत गिरने के समय घर में और आसपास में कोई नहीं होने से जनहानि नहीं हुई
- दो दिन पहले ही दुर्गवासियों ने धरना देकर मकानों की रिपेयरिंग कराने की मांग की थी
- दुर्ग रहवासियों के अनुसार वर्तमान में 14 मकान ऐसे हैं, जिनकी हालत जर्जर है

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर शहर में पिछले दिनों आई लगातार बरसात से दुर्ग में स्थित एक मकान की छत गिर गई। सूचना मिलने पर शहर कोतवाल सवाईसिंह ने दुर्ग पर आकर छत गिरने वाले मकान के आसपास रहने वालों से जानकारी ली। छत गिरने के समय घर में और घर के आसपास में कोई नहीं होने से कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार दुर्ग के सैकड़ों निवासियों द्वारा दो दिन पहले ही किले के मुख्य द्वार के आगे धरना देकर प्रशासन से मांग रखी थी कि दुर्गवासियों को अपने मकानों का रिपेयरिंग कार्य करवाने दिया जाये, ताकि भविष्य में कोई जनहानि होने से बचा जा सके, परन्तु प्रशासन द्वारा धरने को नजरअंदाज कर लिया। उसी के नतिजनन गुरुवार को यह मकान की छत गिर गई है, दुर्ग रहवासियों के अनुसार वर्तमान में 14 मकान ऐसे है जिनकी हालत जर्जर है।

शहर कोतवाल सवाईसिंह ने बताया कि मकान कमल व्यास का बताया जा रहा है। मकान मालिक किले से बाहर ही ढिब्बापाड़ा में रहता है। मकान काफी समय से खाली है। हाल ही में आई बारिश के बाद से मकान कमजोर हो गया था और छत गिर गई। सिंह ने बताया कि ऐहतियातन जिस गली में मकान गिरा है, उसको बैरिकेड लगाकर बंद कर दिया है और वहां पुलिस को नियुक्त किया गया है ताकि कोई अंदर गली में ना जाए। लोगों के अनुसार शहर में इन दिनों फ्रांस, इटली, जापान एवं अन्य देशों से विदेशी सैलानियों के ग्रुप आ रहे हैं यही ग्रुप दुर्ग देखने भी आ रहे हैं। भविष्य में सैलानियों के दुर्ग घूमते समय कोई मकान गिरने की घटना होने पर अनहोनी हो जाती है तो प्रशासन को दिल्ली में बैठे इन देशों के एम्बेसडरों को जवाब देना भारी पड़ जायेगा।

जैसलमेर शहर में पिछले दिनों आई बरसात से सौनार दुर्ग स्थित मकान की छत गिर गई।

इंटरनेट के इस युग में विदेशी सैलानियों को किले के जर्जर मकानों की जानकारी मिल जाने से सैलानी अपना जैसलमेर घूमने का कार्यक्रम रद्द कर देंगे। पुरातत्व विभाग के उच्च अधिकारी का हैड क्वाटर जैसलमेर में नहीं होने से भी खासी परेशानी दुर्गवासियों को झेलनी पड़ रही है। दुर्ग स्थित निजी आवासीय मकानों के मरम्मत कार्यों को, स्थानीय प्रशासन एवं पुरातत्व विभाग द्वारा नहीं किया जाने से ही गुरुवार को मकान की छत गिरी है।

दुर्ग निवासी दिनेशकुमार श्रीपत ने बताया कि दो दिन पूर्व हुई भारी बारिश के बाद गुरुवार को धूप के तप से दीवारें तड़कने से किले के मध्य स्थित एक ख्यातनाम हवेली धमाके के साथ अंदर से धराशायी हुई है। प्रशासन दुर्ग के संरक्षण के प्रति गंभीरता से ध्यान दें। प्रशासन पानी की निकासी के पुराने गुटनालियों सहित डिफेक्टिव सिविर लाइंस को दुरुस्त करावे। उन्होंने बताया कि दुर्ग की प्राचीर के संरक्षण के प्रति एलोटेड बजट का सही उपयोग सुनिश्चित हों ताकि दुर्ग की सुरक्षा अक्षुण बनी रहे, साथ ही दुर्ग के आवासीय एवं व्यावसायिक मकानों की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार के प्रति लगाई हुई एप्लीकेशन पर पुरातत्व विभाग एवं नगरपरिषद विचार कर अनुमति देवें।

शहर के वरिष्ठ नागरिक कमलकिशोर ने बताया कि केंद्रीय पुरातत्व विभाग और डेजर्ट नेशनल पार्क का वन विभाग यह दोनों विभाग जिला प्रशासन की बात भी नहीं सुनते, ना ही जनप्रतिनिधि इस समस्या हेतू लोकसभा में बोलते हैं। उसी का नतीजा है कि डेजर्ट नेशनल पार्क एरिया में रहवासियों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही है और पुरातत्व विभाग दुर्ग रहवासियों को अपने निजी मकानों की रिपेयरिंग करवाने पर रोक लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता को जागृत होने की आवश्यकता है तभी समाधान होगा।

मांडलगढ़ के निकट अरावली की पहाड़ियों पर छाई हरितिमा के मध्य प्राचीन पर्यटन स्थल मेनाल का जलप्रपात सावन माह में यौवन पर है। इस दूधिया जल प्रपात का आकर्षक नजारा देखने और यहां पिकनिक पर हजारों सैलानी रोज पहुंच रहे हैं। मेनाल में बहते पानी में नहाने के साथ मनोहारी नजारे का लुफ्त भी सैलानी उठा रहे हैं।

कोटा-इटावा ट्रेन पर बदमाशों ने हमला किया

हमले में आरपीएफ जवान व ट्रेकमैन घायल, मोतीपुरा रेलवे स्टेशन की घटना

छबड़ा, (निसं)। मोतीपुरा चौकी रेलवे स्टेशन पर गुरुवार तड़के चार अज्ञात लूटेरों ने कोटा-इटावा ट्रेन (19811) पर हमला कर दिया। बदमाशों के इस हमले में एक आरपीएफ जवान और ट्रैकमैन घायल हो गया। दोनों को उपचार के लिए छबड़ा सीएचसी में लाया गया।

रेलवे सूत्रों ने बताया कि गुरूवार तड़के तीन बजे कोटा-इटावा ट्रेन मोतीपुरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर खड़ी थी। तभी दूसरी तरफ से आए चार अज्ञात बदमाशों ने ट्रेन में चढ़कर यात्रियों को लूटने की कोशिश की। सूचना पर गश्त कर रहे आरपीएफ के हैड कांस्टेबल रूपसिंह और ट्रैकमेंटेनर मनीष मीना तुरंत मौके पर पहुंच गए। इनके ललकारते ही बदमाश भाग खड़े हुए। दोनों ने दौड़ लगाते हुए भागते बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की। लेकिन तभी बदमाशों ने रेलवे ट्रेक पर पड़ी गिट्टियों से अचानक दोनों पर जोरदार हमला कर दिया। इस हमले में एक गिट्टी रूपसिंह के सिर पर लगी जिससे वह गंभीर घायल हो गया। इसी तरह गिट्टी लगने से मनीष के हाथ-पैर और शरीर पर भी चोटें आईं। इसके बाद मोतीपुरा स्टेशन स्टॉफ ने दोनों को तुरंत छबड़ा चिकित्सालय पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद कोटा रैफर कर दिया, जहां कोटा रेलवे चिकित्सालय में दोनो का उपचार जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही बारां और कोटा जीआरपी, आरपीएफ तथा बापचा थाना पुलिस मोतीपुरा और छबड़ा अस्पताल पहुंची। मामले की जांच कोटा जीआरपी द्वारा की जा रही हैं।

चचेरे भाई-बहन तालाब में डूबे, मौत

जोधपुर, (कासं)। जिला जोधपुर ग्रामीण के खेड़ापा थाना क्षेत्र के बावड़ी गांव के निकट चटालिया गांव में तालाब में डूबने से चचेरे भाई-बहन की मौत हो गई। दोनों भाई-बहन गांव के बाहर बकरियां चराने के लिए गए हुए थे। इसी दौरान एक तालाब में डूबने से दोनों की मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर कार्रवाई की।

जानकारी के अनुसार घटना खेड़ापा थाना क्षेत्र के चटालिया गांव की है। यहां पर चचेरे भाई-बहन बकरियां चराने के लिए आज दिन में गए थे। इसी जगह पर तालाब आया हुआ है। यहां पर संभवत: पानी पीने के दौरान पैर फिसलने की वजह है बहन तालाब में गिर गई। बहन को बचाने का प्रयास में भाई भी तालाब में डूब गया। खुद तैरना नहीं आने की वजह से दोनों की डूबने से मौत हो गई। मृतक बालिका का नाम बत्तू और भाई का नाम प्रकाश बताया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद खेड़ापा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को बाहर निकालकर सोयला अस्पताल पहुंचाया।

सैनिक स्कूल में बच्चों के साथ यौन शोषण मामले में टीचर को 20 साल की सजा

चार साल आठ महीने बाद आया फैसला, झुंझुनूं की पोक्सो कोर्ट ने फैसला सुनाया

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं जिले में स्थित एक सैनिक स्कूल में बच्चों के साथ यौन शोषण के मामले में गुरूवार को झुंझुनूं की पोक्सो कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए आरोपी शिक्षक रवींद्र सिंह शेखावत को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाते हुए पांच अलग-अलग धाराओं में दोषी मानते हुए 81 हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया है।

पोक्सो कोर्ट के विशिष्ट लोक अभियोजक ओमप्रकाश सैनी बगड़ ने बताया कि सैनिक स्कूल में 12 बच्चों ने स्कूल में शिकायत की थी कि उनके टीजीटी अंग्रेजी के टीचर रवींद्र सिंह शेखावत उनके अपने कमरे में बुलाकर उनके साथ यौन शोषण करते हैं। जिस पर सात दिसंबर 2019 को सैनिक स्कूल ने अपनी पनिसमेंट मोनेटेरिंग सेल की बैठक बुलाई और मामले में निर्णय लेते हुए टीचर के खिलाफ सदर थाने में पोक्सो की धाराओं में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कालीपहाड़ी निवासी 36 वर्षीय शिक्षक रवींद्र सिंह शेखावत को गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में करीब पांच साल ट्रायल चला। इस दौरान 36 गवाहों के बयान करवाने के अलावा 85 साक्ष्य दस्तावेज कोर्ट में पेश किए गए। आज पोक्सो कोर्ट ने पोक्सो एक्ट की 5/6 में दोषी मानते हुए रवींद्र सिंह को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा चार अन्य धारा और इसी धारा में कुल 81 हजार रूपए की अर्थदंड से दंडित किया है। कोर्ट ने इस मामले में गंभीर टिप्पणी करते हुए यह भी कहा है कि सैनिक स्कूल जैसे विद्यालयों में बच्चे अपने परिवार से दूर रहकर पढ़ाई करते हैं। इसलिए ऐसी स्कूलों के शिक्षक, सिर्फ शिक्षक ही नहीं, बल्कि अभिभावक की भूमिका में भी होते है। यदि अभिभावक के संरक्षण में इस तरह के कृत्य होंगे, तो

आरोपी टीचर।

वो गंभीर विषय है और जघन्य अपराध है। इस मामले में सबसे पहले एक बच्चे ने सामने आकर स्कूल प्रबंधन को अपने साथ हुए यौन शोषण की बात कही थी। जिसके बाद एक-एक कर 12 बच्चे ऐसे सामने आए थे।

दिसंबर 2019 में बच्चों ने टीचर रवींद्रसिंह के खिलाफ जो बयान दिए थे। उनमें बताया था कि वह बच्चों को अपने रूम में लंच के समय रेस्ट टाइम या फिर रात को कॉपी-किताब के बहाने बुलाता था और गंदी-गंदी बातें करता था। इसके बाद उनके साथ यौन शोषण करता था। किसी को बताने पर उनके मां-बाप को जेल भिजवाने की धमकी देने के अलावा उनके साथ भी चप्पलों और रॉड से पीटता था। साथ ही बच्चों को स्कूल से सस्पैंड या फिर निकाल देने की धमकी भी देता था। जब अपने साथ हुए यौन शोषण के बाद कुछ बच्चे मायूस और डरे-सहमे दिखाई भी देते थे। तो अन्य टीचरों के पूछने पर ये बच्चे डरे हुए बीमार होने के बहाने बना लेते थे।

इस मामले में परिजनों ने भी बताया था कि टीचर रवींद्र सिंह शेखावत ने पेरेंट्स को विश्वास में ले रखा था। पेरेंट्स की नजर में यदि सबसे बेस्ट टीचर का अवार्ड किसी को मिलना चाहिए तो वो रवींद्र सिंह शेखावत ही था। वह हर बच्चे के घर तक घुसा हुआ था। साथ ही इस बात को भी दोहराता था कि बच्चे को पढाने और अनुशासन में रखने के लिए उसे पीटना भी पड़ेगा। तो घर वाले मारपीट जैसी शिकायतों पर गौर नहीं करते थे। वहीं खुद ही अपने आप में पॉवरफुल था। इसलिए बच्चे भी कोई शिकायत करने डरते थे।

जिस वक्त घटना खुली तो कई बच्चे स्कूल से टीसी कटवाने को तैयार हो गए थे। लेकिन बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने लगातार बच्चों की काउंसलिंग कर उन्हें पढाई करने के लिए प्रेरित किया। दो-तीन बच्चे तो ऐसे थे। जिनके मन में गुस्सा भरा हुआ था। कोई जांच अधिकारी जब रवींद्र सिंह शेखावत को सर बोलकर संबोधित करता था तो वे बोलते थे कि प्लीज उन्हें सर मत बोलिए।

सहोदरा नदी के बहाव क्षेत्र में बहे चाचा-भतीजा, भतीजे की मौत

- पांच दिन पूर्व हुई बारिश के बाद सहोदरा नदी में बहने से तीन मौतें हो चुकी है

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षैत्र में 44 साल बाद पांच दिन पूर्व हुई भारी बारिश ने अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़कर 684 मिलीमिटर बरसात होने का एक नया रिकॉर्ड बना लिया। तो पांच दिन पूर्व हुई भारी बारिश के बाद उफान पर आई सहोदरा नदी के बहाव क्षैत्र में बह जाने से अब तक तीन मौतें हो चुकी है।

गुरूवार की सवेरे इंदोली निवासी चाचा-भतीजा पशु लेकर अपने खेतों की ओर जा रहे थे तो इंदोली से नयागांव जाटान के बीच बने रपटे पर असंतुलित हो बहाव के साथ बहे अपने चाचा को बचाने कूदा भतीजा भी पानी में बह गया। चाचा-भतीजा को एक साथ पानी मे बह जाने व चीख पुकार सुनकर आसपास से गुजर रहे ग्रामीण व चरवाहों ने नदी में कूदकर कर दोनों को बचाने की कोशिश की लेकिन तेज बहाव के चलते चाचा-भतीजा दूर तक पानी के वेग के साथ बह गये। ग्रामीणो ने भी पानी के आगे अपनी हार मानने के बजाय लगातार संघर्ष कर इंदोली निवासी वृद्ध जवाहर जाट को तो पानी से निकाल लिया, अर्द्धचेतन अवस्था में जवाहर जाट को मालपुरा अस्पताल मे उपचार के लिये भर्ती करवाया। जहां से हालत चिन्ताजनक होने पर जयपुर रैफर किया गया।

नदी के बहाव मे दो ग्रामीणों के बह जाने की मिली सूचना पर मौके पर पहुंची एसडीआरएफ टीम ने नदी के बहाव में रैस्क्यू शुरू किया। जवानों के साथ ग्रामीण भी पानी में बहे रामलाल पुत्र नारायण जाट की तलाश में जुट गये। करीब एक घंटे से अधिक समय तक चले रैस्क्यू में एसडीआरएफ जवानों ने रामलाल को खोज निकाला। अचेतावस्था में रामलाल को मालपुरा अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर उसे मृत घोषित कर दिया। चाचा-भतीजा को निकालने के लिये नदी में कूदे मृतक रामलाल के बेटे विनोद को भी मालपुरा अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां उपचार शुरू किया गया। परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवा पुलिस ने शव परिजनों को सौंपा।

युवक ने सुसाइड का प्रयास किया

भीलवाड़ा, (निसं)। आर्थिक तंगी से परेशान युवक ने सुसाइड का प्रयास किया। सुसाइड की कोशिश से पहले बनाया वीडियो सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है। कोटड़ी थाना क्षेत्र के ककरोलिया माफ़ी निवासी कैलाश पिता श्याम लाल नायक (35) ने बताया की वह गांव के ही कुछ लोगो से उधार दिए पैसे मांगता है। लम्बे समय से उसका ही पैसा उसे लौटाया नही जा रहा था।

रलायता गांव की चरागाह भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की मांग

आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया

- चरागाह भूमि पर अवैध कब्जा कर किये निर्माण को लेकर भूमाफिया और ग्रामीणों में तनाव बना हुआ है

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ उपखण्ड के रलायता ग्राम पंचायत में पटवारी और जिम्मेदार अफसरों की कथित लापरवाही के चलते चरागाह भूमि विवाद पर कभी भी बड़ी घटना होने की आशंका बनी हुई है। गांव की चरागाह की भूमि पर अवैध कब्जा कर किए गए कच्चे और पक्के निर्माण को लेकर भूमाफिया और ग्रामीणों में तनाव की स्थित बनी हुई है। इस मामले को लेकर रलायता गांव के लोगों ने पंचायत कार्यालय पर प्रदर्शन कर तहसीलदार ललित डिडवानिया को ज्ञापन दिया।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि रलायता ग्राम पंचायत की चरागाह भूमि मुख्य मार्ग पर स्थित हैं।और बेशकीमती मानी जाती है। उक्त भूमि पर हुए अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर पटवारी ने आज तक कोई कार्रवाई नहीं की है, जबकि ग्राम पंचायत ने पटवारी को भी अवगत कराया है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्थानीय पटवारी से मिलीभगत कर चरागाह की जमीन पर भूमाफिया ने पक्के मकान और बड़ी साइज में पशुधन के बाड़े बना लिए हैं। ग्रामीणों ने मांडलगढ़ एसडीएम, तहसीलदार व पटवारी को पूर्व में कई बार शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन प्रशासन ने अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। वहीं ग्रामीणों को अपने पशुओं को चराने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि भूमाफिया गिरोह प्रभावशली होने प्रशासन कार्रवाई में ढिलाई बरत रहा हैं जिससे कभी भी टकराव की स्थिति उतपन्न हो सकती है। ज्ञापन देने में रलायता गांव के जगदीश चंद्र जाट, कैलाश प्रजापत, सांवरलाल जाट, भंवर प्रजापत, प्रकाशचंद्र, शंकर लाल, मथुरा लाल, बद्री लाल, भैरूलाल, पोखर जाट, उदय लाल धाकड़, कालू लाल जाट, सांवरमल, गणेश जाट, शंकर जाट, मंगल शर्मा, जमनालाल, रामलाल जाट, मथुरालाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

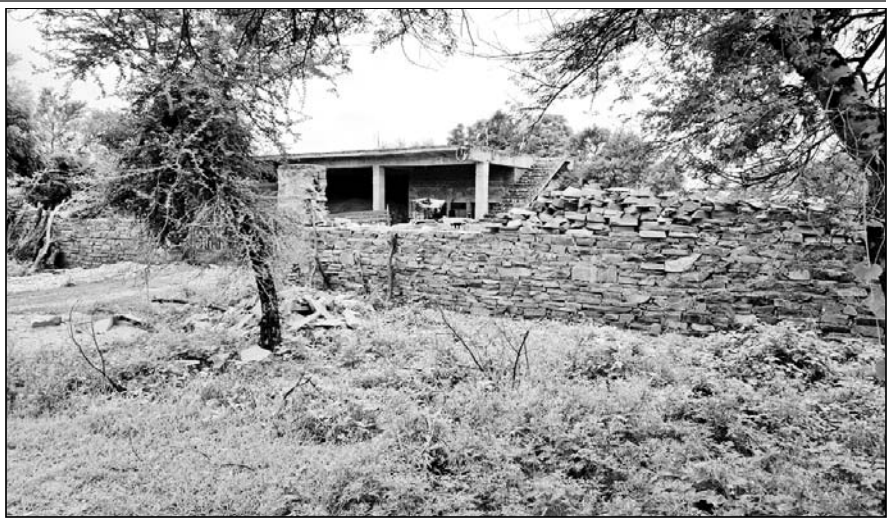

मांडलगढ़ के रलायता गांव की चरागाह भूमि पर अवैध मकान और बाड़े बना लिये।

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

क्रमांक :- राजुवास/बीवीएससी एण्ड एएच प्रवेश/2024-25/204 दिनांक :- 08.08.2024

B.V.Sc. & A.H. डिग्रीपाठ्यक्रम में प्रवेश के क्रम में आवश्यक सूचना

राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के सक्षम अनुमति प्राप्त संघटक एवं सम्बद्ध प्राईवेट वेटरनरी कॉलेजों में B.V.Sc.& A.H. डिग्री पाठ्यक्रम (सत्र 2024-25) में प्रवेश National Testing Agency (NTA) द्वारा आयोजित NEET (UG)-2024 परीक्षा की मेरिट के आधार पर किया जायेगा। ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन आवेदन जो कि NRI/NRI sponsored कोटे के अभ्यर्थियों के लिए दिनांक 12 अगस्त, 2024 तथा स्टेट कोटा अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाईन आवेदन दिनांक 21 अगस्त, 2024 से विश्वविद्यालय वेबसाइट **www.rajuvas.org** के माध्यम से भरे जायेंगे। प्रवेश हेतु अन्य आवश्यक विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट उपलब्ध रहेंगे।

चेयरमैन,
केन्द्रीय स्नातक प्रवेश मण्डल

राज.संवाद/सी/24/3532

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-मण्डरायल

क्रमांक- 225-233 दिनांक-05.08.2024

निविदा सूचना संख्या-01/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदकों जो कि राज्य सरकार के एए ए बी सी डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदाओं से संबंधित विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE- PWD2425A1024, UBN-PWD2425WSOB03833

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड मण्डरायल

DIPR/C/7141/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-बाड़मेर

क्रमांक-551 दिनांक-31.07.2024

निविदा सूचना संख्या- 03 वर्ष 2024-2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से बाडमेर जिले में विभिन्न सड़क एवं भवन निर्माण कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए व बी, सी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://spps.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। उक्त कार्यो में अनबेलेन्स बिड लागू रहेगी।

1. PWD2425WSRC03747, 2. PWD2425WSRC03748, 3. PWD2425WSRC03749

NIB NO.: PWD2425A0989

अधिशाषी अभियन्ता
सार्वजनिक निर्माण विभाग,
खण्ड-बाड़मेर

DIPR/C/7086/2024

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (फल सब्जी) उदयपुर

क्रमांक: /निविदा/PMFME-CIC(O&M)/2024-25/403-414 दिनांक:- 07.08.2024

ई-निविदा सूचना: 08/ 2024-25

कृषि उपज मण्डी समिति, (फल सब्जी) उदयपुर द्वारा खाद्य प्रसंस्करण सुविधाओं के लिये दो प्रसंस्करण लाईनों (1. Fruits Pulp and Juice line and 2. Cleaning, grading, Packaging and Paste Unit of Spices) हेतु कॉमन इन्क्यूबेषन सेन्टर की स्थापना की जा रही है। इन्क्यूबेषन सेन्टर को व्यावसायिक आधार पर किसी तीसरे पक्ष/निजी संस्थान को 05 वर्ष हेतु ठेके पर संचालन एवं प्रबंधन (O&M) के लियें इच्छुक योग्य निर्माताओं/वितरकों/फर्मो/पंजीकृत संस्थाओं/कम्पनीयों से दिनांक 08.08.2024 से 28.08.2024 तक ई-निविदा आंमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबन्धित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in/www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.agriculture.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। **(NIB:-DAM2425A0265)**

UBN:-DAM2425WSOB00620

राज.संवाद/सी/24/3557 प्रशासक सचिव

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF POLICE RAJ JAIPUR

v-15(5)PS/SAMGRI/PDF/2024-25/ DATED-

NOTICE INVITING BIDS

NIB NO. POL2425A0014

Bids for Many Item's of estimated value INR 1,40,70,000/- are invited from interested bidders up to 05.08.2024 at 11.00 am. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in) (https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, and https://www.police.rajasthan.gov.in

UBN.- Laser Printer-POL2425GLOB00023, Latest Note Book - POL2425GLOB00024, All in One Desktop - POL2425GLOB00025, Bodyworn Camera - POL2425GLOB00026, Scanner - POL2425GLOB00027, Multifunctional Printer - POL2425GLOB00028, Colour Pirnter - POL2425GSOB00029

Supdt. of Police
Central Stores, PHQ Raj. Jaipur
Tel- 0141-2744289
Mail ID- sp.cstore.pmw@rajpolice.gov.in

DIPR/C/7058/2024

Office of The Program Officer (EGS) Cum BDO Panchayat Samiti Sayla (Jalore)

No.115 Date: 05.08.2024

Notice Inviting Bid-01/2024-25

Bid for Supply Work of Material and Equipments & Work tenders for various work as below are invited from interested bidders under various Gram Panchayats of Panchayat samiti sayla. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://proc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and notice board of this office.

Name of Gram Panchayat	approximate value of the procurement	UBIN
Ummedabad	100.00 Lakh	ZJR2425GLRC00315
Komta	60.00 Lakh	ZJR2425GLRC00319
Chorau	50.00 Lakh	ZJL2425GLRC00318
Veerana	50.00 Lakh	ZJL2425GLRC00317
Anwloj	80.00 Lakh	ZJR2425GLRC00316
Mandwla	100.00 Lakh	ZJR2425GLRC00322
Elana	80.00 Lakh	ZJR2425GLRC00321

Programme Officer (EGS) Cum BDO
Panchayat Samiti Sayla (Jalore)

DIPR/C/7127/2024

सार-समाचार

सिटी बस को मिली हरी झंडी

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल व उदयपुर शहर नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में सिटी बसों का संचालन शुरू किया जा रहा है। गुरूवार को गीतांजली ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल, गीतांजली हॉस्पिटल के सीओओ ऋषि कपूर, मेडिकल सुप्रीनटेन्डट डॉ हरप्रीत सिंह व विभागाध्यक्षों द्वारा बस को हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया। रूट नंबर 16 टी.बी. हॉस्पिटल बडी से गीतांजली तक जाएगी जिसका रूट टी.बी. हास्पीटल, बडी गांव, देवाली, फतहपुरा चौराहा, चेतक सर्कल, कोर्ट चौराहा, देहली गेट, सूरजपोल, सिख कॉलोनी, सेवाश्रम पुलिया, सेक्टर 3 हिरण मगरी, सेक्टर 4, सेक्टर 5, सेक्टर 6, हिरणमगरी पुलिस स्टेशन, सेटेलाईट हॉस्पिटल, एकलिंगपुरा चौराहा होते हुए गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल तक चलेगी। इन बसों में प्रति यात्री 5, 7,10,15 और 20 रुपए टिकट दर रहेगी। इसमें वरिष्ठ नागरिक, विद्यार्थी, एवं विकलांग यात्री को किराया में 50 प्रतिशत छूट मिलेगी।

सगस जी बावजी जन्मोत्सव आज

उदयपुर, (कासं)। श्री श्री 1008 श्री सगस जी बावजी राज मंदिर,सर्वऋतु विलास, उदयपुर का जन्मोत्सव शुक्रवार को पूर्ण श्रद्धा के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाएगा। इस बार बावजी को अभूतपूर्व श्रृंगार धारण करवाया जाएगा। इस श्रृंगार में स्वर्ण बरक, रजत बरक, रजत डंका,मोठडा, इमली, चंद्रमा, छत्र, चंवर, तलवार, ढाल, इत्यादि धारण करवाये जायेंगे।मंदिर पुजारी प्रकाश दशोरा ने बताया की जन्मोत्सव के तहत सुबह 7 बजे से दर्शन शुरू हो जायेंगे। 9:30 बजे ज्योति प्रज्ज्वलन, ध्वजारोहण, श्रृंगार एवं भोग आरती होगी। महिलाओं के दर्शन हेतु दोपहर में विशेष व्यवस्था की गई है, एवं शाम को पुरुष एवं महिलाओं के क्रमवार दर्शनों की व्यवस्था होगी। इसी दिन शाम को 7:30 बजे से भव्य भजन संध्या का आयोजन भी मंदिर प्रांगण सर्वऋतु विलास में किया जाएगा। रात्रि 12:30 बजे महाआरती संपन्न होगी। जिसमें बावजी को 51 किलो सुसज्जित मावे का भोग लगाया जाएगा।इस बार भजन संध्या मंच की दिशा बदल दी गई है, जिससे अधिक से अधिक संख्या में भक्तजन बैठकर भजनों का आनंद ले सकेंगे। भक्ति संध्या में अयोध्या से परम रघुवंशी, मंदसौर से हर्षवर्धन शर्मा, कोटा से महेंद्र अलबेला एवं अपने शहर की सुनंदा चौबीसा द्वारा विशेष रूप से तैयार किए गए बावजी के भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। बावजी राज के जन्मोत्सव के चलते आकर्षक विद्युत सजा की गई है उदियापोल गेट से गुलाब बाग रोड, सर्वऋतु विलास मंदिर प्रांगण और मंदिर को आकर्षक रौशनी से सजाया है। सगस जी रोड व्यापार मंडल, उदियापोल रोड एसोसिएशन, सारंग बाजार व्यापार संघ द्वारा इस वर्ष सुरजपोल से मोती महल, उदियापोल गेट एवं सर्वऋतु विलास मंदिर तक मनमोहक एवं आकर्षक विद्युत सजा की गई है। दर्शनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सदैव की तरह इस बार भी जूता स्टैंड की व्यवस्था सगस जी बावजी भक्त मंडल द्वारा की गई है।

आदि बाजार कम आदि चित्रा आज से

उदयपुर, (कासं)। भारतीय लोक कला मण्डल में ट्राइफेड के साझे में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 10 दिवसीय आदि बाजार कम आदि चित्रा का आयोजन आज से आयोजित होगा। इस आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों के आदिवासी शिल्पकार शामिल होंगे।निदेशक डॉ. लईक हुसैन ने बताया कि भारतीय लोक कला मण्डल में इस वर्ष भी ट्राइफेड जो भारत सरकार के जनजातीय मामलात मंत्रालय का उपक्रम है के संयुक्त तत्वावधान में 9 से 18 अगस्त के मध्य 10 दिवसीय आदि बाजार कम आदि चित्रा का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन आज 9 अगस्त सायं 5 बजे होगा। डॉ. हुसैन ने बताया की कार्यक्रम पूरी तरह आदिवासी शिल्प एवं कला पर आधारित होगा। इसमें देशभर के आदिवासी समाज से जुडे व्यापारी और चित्रकारों को आमंत्रित किया है। दस दिवसीय कार्यक्रम में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट , झारखंड, उडीसा , पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ, मध्यप्रदेश आदि राज्यों के 50 से 60 आदिवासी शिल्पकार और कारीगर शामिल होंगे। इसमें बैंबू आर्ट, टेक्सटाइल, मुखौटे, लकडी के फर्नीचर, कशीदाकारी, वन उपज के प्रॉडक्ट सहित अन्य प्रॉडक्ट की तकरीबन 32 स्टॉल लगाए जाएगी। शिल्प मेला प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक आयोजित होगा ।

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर बैठक

उदयपुर, (कासं)। स्वतंत्रता दिवस 2024 की तैयारियों के संबंध में जिला स्तरीय बैठक गुरुवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) दीपेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। उन्होंने जिला स्तरीय आयोजन के साथ जिले भर में इस राष्ट्रीय पर्व के सफल व गरिमामय आयोजन के लिए दिशा-निर्देश दिए। एडीएम ने स्वतंत्रता दिवस पर होने वाले कार्यक्रमों के बारे में चर्चा करते हुए अब तक की गई तैयारियों की जानकारी ली और संबंधित विभागों को सौंपे गये दायित्वों के संबंध में अब तक की गई कार्यवाही के बारे में जानकारी लेते हुए आयोजन से जुडे समस्त व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एडीएम ने अतिथि आगमन, ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, मार्चपास्ट, प्रशस्ति पत्र वितरण, छात्र-छात्राओं द्वारा व्यायाम प्रदार्शन, सांस्कृतिक कार्यक्रम बैठक व्यवस्था, माइक एवं फोटोग्राफी, पेयजल व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, उद्घोषक, चिकित्सा व्यवस्था आदि को लेकर चर्चा की और सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य समारोह में अधिकाधिक जनसभागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं आयोजन से जुडे प्रतिनिधि मौजूद रहे।

वृक्षारोपण किया

उदयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान, हरियालो राजस्थान (एक पेड़ माँ के नाम) एवं हरियाली तीज के अवसर पर सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा वृहद वृक्षारोपण किया गया।जिला खण्ड प्रथम के अधिशाषी अभियंता अशोक उपाध्याय ने बताया कि उनके खण्ड के अन्तर्गत सज्जनगढ़ गैंगहट, लकडवास गैंगहट व कुराबड़ गैंगहट के साथ व के साथ पर वृक्षारोपण कर लगभग 250 पेड़ लगाये गये। सज्जनगढ़ गैंगहट पर आयोजित कार्यक्रम में संभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता अशोक शर्मा, अधीक्षण अभियंता अनिल कुमार गर्ग, राजीव अग्रवाल, विद्युत विंग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता अजय माथुर सहित क अभियन्ता एवं कर्मचारियों ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। सहायक अभियन्ता अजयपाल सिंह राणावत, अजय धोबी, ऐजेन्सी प्रकाश डांगी व अन्य सभी ने मिलकर फलदार वृक्ष लगाये। अशोक उपाध्याय ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा व अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर निर्धारित लक्ष्य से भी ज्यादा वृक्षारोपण किया जाएगा।

दूधछाता मशरुम की खेती पर प्रशिक्षण

उदयपुर, (कासं)। अखिल भारतीय समन्वित मशरूम अनुसन्धान परियोजना, अनुसन्धान निदेशालय, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि, उदयपुर के तत्वाधान में अनुसूचित जाति उपयोजना (एस.सी.एस.पी) के अंतरगत ग्राम पंचायत कोचला , पंचायत समिति झाडोल (फ.) में एकदिवसीय मशरूम प्रशिक्षण का आयोजन किया । मशरूम प्रशिक्षण में पंचायत समिति झाडोल (फ.) आसपास के गाँवो के किसानो एवं महिलाओ ने प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण में परियोजना प्रभारी डॉ. एन. एल. मीना मशरुम के महत्वपूर्ण गुणों , ढींगरी व दूधछाता मशरुम की खेती के बारे में विस्तार से व्याख्यान दिया तथा ग्राम पंचायत कोचला व कंथारिया के सरपंच भगवतीलाल व श्री ख्यालीलाल जी ने मशरुम की खेती की तकनीकी को अधिक से अधिक अपनाकर आमदनी अर्जित करने पर जोर दिया । अविनाश कुमार नागदा एवं किशन सिंह राजपूत ने प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रशिक्षणर्थीयो को मशरूम की प्रायोगिक जानकारी दी तथा प्रशिक्षण के अंत में अनुसूचित जाति उपयोजना के कुल 30 प्रशिक्षणर्थीयो को सामग्री वितरित की ।

हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजी झीलों की नगरी

उदयपुर, (कासं)। श्री महाकालेश्वर कावड यात्रा समिति द्वारा प्रात: 10 बजे आयड स्थित गंगाजी के चोथे पाये गंगोदभव शिव मंदिर में महाकालेश्वर कावड यात्रा समिति के अध्यक्ष अध्यक्ष के.के.शर्मा के संयुक्त नेतृत्व में पं. दिलीप शर्मा द्वारा विधि विधान से पुजा अर्चना कर कावडा यात्रा श्री महाकाल मंदिर के लिये प्रस्थान हुई।

कावड़ यात्रा के अवसर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक धर्मनारायण जोशी, पूर्व विधायक प्रीति गजेन्द्रसिंह शक्तावत, विशिष्ठ अतिथि मांगीलाल जोशी, गोपाल शर्मा, राधेश्याम सिखवाल, सुरेश श्रीमाली, कचरूलाल चौधरी, सत्यनारायण चौधरी, नरेन्द्र पालीवाल,

- कावड़ यात्रा एवं शोभायात्रा का कई अग्रिम धर्म संगठनों ने स्वागत किया
- शोभायात्रा में सम्मिलित हुए 5000 कावड़ यात्री

प्रमोद पालीवाल, शांतिलाल पालीवाल, दिनेश श्रीमाली, पंकज शर्मा, सुरेश सुथार, हर्षवर्द्धनसिंह केलावत, केजी मुन्दडा, दीपेन्द्रसिंह चौहान, भूपेन्द्र धाभाई, पूर्व पार्षद जगत नागदा, यतिन्द्र बाबेल, मीना बाबेल, अजयसिंह, राजकुमार मेनारिया, उपस्थित थे । कावड यात्रा समिति के अध्यक्ष के.के.शर्मा ने बताया कि कावड

कावड यात्रियों की शोभायात्रा में जनसैलाब उमडा।

यात्रा में पंक्तिबद्ध तरीके से मधुर स्वरलहरिया बिखेरते हुए बेण्ड इसके बाद कावड यात्रा की पताका, राष्ट्रीय ध्वज लिये कावड यात्रा की शोभा बढा रहे थे। इसके पश्चात् पुरूष एवं महिला कावडियें हर हर महादेव के जयकारो के साथ चल रहे थे । संपूर्ण कावड यात्रा मार्ग में जगह जगह शहर वासियों द्वारा शिव भक्त कावडियों का स्वागत किया गया। शर्मा ने उदयपुर शहर जिला पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहां कि शहर पुलिस प्रशासन के अथक प्रयासों से उक्त संपूर्ण कावड यात्रा को शांतिपूर्ण तरीके से सफल हुई। मीडिया प्रभारी राजेश पूर्बिया ने बताया कि कावड यात्रा प्रात: 10 बजे गंगोद्भव आयड से रवाना होकर, आयड मेन रोड, आयड पुलिया, अशोक नगर मेन रोड, माताजी मंदिर से शक्ति नगर, टाउनहॉल, सुरजपोल, अस्थल मंदिर, मुखर्जी चौक, बडा बाजार, घंटाघर, जगदीश चौक, चांदपोल पुलिया से अम्बापोल, अम्बामाता मंदिर, आयुर्वेद चौराहा (राडाजी चौराहा), से दोपहर 12.10 बजे श्री महाकाल मंदिर पहुंच हजारो कावडियों ने भगवान महादेव के जयकारो के साथ जलाभिषेक किया गया । कावड यात्रा एवं शोभायात्रा को मार्ग में कई अग्रिम धर्म संगठनों द्वारा स्वागत किया व कई शिव भक्तों द्वारा स्वागत कर जल, फल, बिस्किट वितरित किये गये । कावड यात्रा में विशेषरूप से कई पदाधिकारियों का सहयोग रहा है जिसमें प्रमुख रूप से कावड यात्रा समिति के संयोजक मोहनलाल साहू, भैरूलाल गायरी, अर्जुन धाभाई, महिला संयोजक अर्चना शर्मा, कुसुम शर्मा, मंजु त्रिपाठी, मनीषा मोड, हीरा देवी कावड यात्रा समिति उपाध्यक्ष सुधीर पोद्दार, लक्ष्मीकान्त जोशी, भंवर चौधरी, हिम्मतलाल नागदा, रमेश भावसार, सत्यनारायण चौधरी, हरिश आर्य, योगेन्द्र शर्मा, गोविन्द पालीवाल, सुभाष चित्तौडा, भगवतीलाल चित्तौडा, यशवन्त पुजारी, यशवन्त पालीवाल, गोपाल प्रजापत, मोहन पालीवाल, महेश शर्मा, महेश पालीवाल, श्याम चित्तौडा सहित कई कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे जिनका विशेष सहयोग रह।।

पेड़-पौधों के बारे में जागरूक करने के लिए पोस्टर से समझाया

पेसिफिक में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक विश्वविद्यालय में एक पेड़ मां के नाम मुहिम के अंतर्गत पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए विश्वविद्यालय के प्रो-प्रेसिडेंट प्रोफेसर हेमंत कोठारी ने वृक्षारोपण तथा इसके पारिस्थितिकी महत्व को समझाया। स्थयी एवं संतुलित विकास में वृक्षों की भूमिका को उन्होनें विस्तारपूर्वक बताया। साइंस एवं टेक्नोलॉजी संकाय के चेयरमेन प्रो. दिलेंद्र हिरन, वाणिज्य संकाय के प्राचार्य डॉ. अनुराग मेहता तथा अन्य संकायों के निदेशकों की मौजूदगी के साथ ही समस्त विद्यार्थी एवं शिक्षकगणों ने वृक्षारोपण में हिस्सा लिया। प्रकृति जो कि हमारी मां के समान है उसके प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करने के लिए विश्वविद्यालय की तरफ से वन संरक्षण का संदेश इस आयोजन के माध्यम से दिया गया।

विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम के तहत यह शपथ ली कि इन पौधों की सुरक्षा संस्था द्वारा आजीवन की जाएगी। पौधारोपण के बहुआयामी महत्व और वन्य जीव संरक्षण में छात्रों की भूमिका के बारे में बातचीत की गई। विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों के बारे में जागरूक करने के लिए पोस्टर से समझाया गया। विविध वृक्ष कैसे लगाए जाए और किस प्रकार इनकी देखभाल की जानी चाहिए इसके तरीकों पर चर्चा भी की गई। वृक्षारोपण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का भी प्रदर्शन किया । पौधारोपण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच जागरूकता फैलाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम साबित होगा। विद्यार्थी इससे वन्य जीव संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण की महत्ता को समझने के साथ-साथ अपने आसपास के पर्यावरण की सुरक्षा में भी अपना सक्रिय हिस्सा लेने के लिए प्रेरित होंगे।

जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रतियोगिता

उदयपुर, (कासं)। केन्द्रीय संचार ब्यूरों , क्षेत्रीय कार्यालय ,सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ,भारत सरकार उदयपुर की ओर से अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर पीएम श्री राजकीय फतह उच्च माध्यमिक विद्यालय के सभागार में जागरूकता कार्यक्रम और प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कमांडर शकील अहमद, कमांडिग ऑफिसर ,नेवल यूनिट एनसीसी ने कहा की इस क्रांति ने हमें यह सिखाया कि जब हम एकजुट होकर किसी उद्देश्य के लिए खडे होते हैं, तो कोई भी शक्ति हमें रोक नहीं सकती हैं । उन्होंने कहा की अगस्त क्रांति केवल एक आंदोलन नहीं थी, यह भारतीय जनता की आत्मशक्ति, उनके साहस और उनके आत्मसम्मान का प्रतीक थी । अध्यक्षता हुए प्रधानाचार्य चेतन पानेरी ने कहा की अगस्त क्रांति के दोरान गांधी जी ने भारत छोडो आंदोलन एवं करो या मरो के नारे दिए इन नारो ने जन-जन में जोश भर दिया और वे ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता पाने के लिए एकजुट हो गए। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत करते हुए केन्द्रीय संचार ब्यूरो के सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा ने कहा कि अगस्त क्रांति की शुरुआत 8 अगस्त 1942 को हुई, जब महात्मा गांधी ने मुंबई के ग्वालिया टैंक मैदान में भारत छोडो का नारा दिया ।

बैठक 16 को

उदयपुर, (कासं)। आमजन के अभाव अभियोग प्राप्त कर उन पर नियमानुसार त्वरित कार्यवाही को लेकर गठित जिला जन अभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति की बैठक 16 अगस्त को सुबह 10.30 बजे जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित राजस्थान संपर्क आइटी केंद्र में आयोजित होगी।

स्कूटी सवार युवती को मारी टक्कर

उदयपुर, (कासं)। गुरुवार को उदयपुर नगर निगम के चल शौचालय वाहन ट्रैक्टर ने स्कूटी सवार युवती को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद युवती उछलकर ट्रैक्टर के नीचे आ गई। भीड ने चिल्लाकर ट्रैक्टर चालक को रोका और पकडकर स्टेयरिंग से नीचे उतारा। युवती को उठाया और साइड में लेकर गए। वहीं ट्रैक्टर चालक मौका देखकर भाग गया। घटना यूआईटी पुलिया के पास गुरुवार दोपहर की है।

पंचवटी की तरफ से तेज स्पीड में चल शौचालय ट्रैक्टर मुख्य रोड पर टर्न ले रहा था। इस दौरान एक स्कूटी सवार युवती को टक्कर मार दी। युवती स्कूटी से उछलकर सडक पर ट्रैक्टर के नीचे आ गई। तभी आस.पास खडे कई लोग चिल्लाते हुए दौडे और चालक को वाहन रोकने के लिए आवाज लगाई। लोगों ने तुरंत युवती को ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकाला और हॉस्पिटल लेकर गए। बताया जा रहा है कि अगर आस.पास के लोग तुरंत नहीं चिल्लाते तो ट्रैक्टर युवती के ऊपर से गुजर जाता। बीच रास्ते ट्रैक्टर खडा होने से जाम लग गया। लोगों ने नगर निगम के वाहन चालक पर भारी आक्रोश जताया।

बैठक में निगम की योजनाओं की प्रगति पर की चर्चा

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लि. जयपुर की प्रबन्ध निदेशक ममता राव की अध्यक्षता में संभागीय परियोजना प्रबंधक अनुजा निगम, उदयपुर, डुंगरपुर, बांसवाडा, चित्तोडगढ, प्रतापगढ व राजसमन्द से निगम योजनाओं की समीक्षा बैठक गुरुवार को सर्किट हाउस उदयपुर में बैठक आयोजित हुई। बैठक में अनुजा निगम के महाप्रबंधक शीशराम चावला भी मौजूद रहे।

प्रबंध निदेशक एवं महाप्रबंधक ने जिलेवार निगम द्वारा संचालित पांच निगमों की योजनाओं की संपूर्ण जानकारी ली और लक्ष्यों के विरूद्ध शत् प्रतिशत उपलब्धि के बारे में विस्तार से चर्चा की गई और वित्तीय वर्ष 2024-25 में राष्ट्रीय निगम अनुसूचित जनजाति एवं दिव्यांग योजना में पोर्टल पर आवेदन नहीं होने के कारण ऑनलाइन आवेदन पत्र भरवाकर लक्ष्यों के विरूद्ध चयन करने के निर्देश दिये। बैठक में एनएससीएफडीसी, एनएसकेएफडीसी, एनबीसीएफडीसी के आवेदन सूरज

अनुजा निगम के प्रबंध निदेशक व महाप्रबंधक ने ली बैठक ली।

पोर्टल पर अभ्यर्थियों से भरवाये जाकर शत् प्रतिशत उपलब्धि हेतु निर्देश दिये गये। प्रधानमंत्री अभ्यूदय योजनान्तर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के आवेदन पत्र तैयार करवाकर बैंकों में भिजवाने एवं इसकी सूचना निगम मुख्यालय को उपलब्ध कराने को कहा ताकि राज्य स्तरीय बैंकर्स मीटिंग में बैंकों में प्रेषित आवेदन पत्रों के अनुसार स्वीकृति हेतु संबंधित बैंकों को निदेर्शित किया जा सके। उदयपुर परियोजना प्रबधंक मान्धाता सिह राणावत ने अतिथियों का स्वागत किया और निगम की उपलब्धियों के बारे में अवगत कराया।

सार-समाचार

युवक की उपचार के दौरान मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थानाक्षैत्र में स्थित अरावली चिकित्सालय में उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। इसका पता चलने पर परिजनों ने हंमागा मर कदया। जहां छह लाख रूपये मुआवजा देने पर मामला शांत हुआ। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार को अम्बामाता थानाक्षैत्र अरावली चिकित्सालय में उपचाररत ओड़बस्ती अम्बामाता निवासी मनोज पुत्र खुबीलाल चंदेल की की मौत होगई। इसका पता चलने पर परिजनों ने चिकित्सालय प्रशासन पर उपचारमें लापरवाही बरतसे से मृत्यु होने का आरोपी लगाते हुए हंगामा दिया। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जहां दोनों पक्षों के बीच समझाईश में 6 लाख रूपये सहातयात देने की सहमती बनने पर मामला शात हुआ। इस पर एएसआई रामनाथ ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सोंप दिया। मनोज की तबीयत खराब होने पर सरकारी चिकित्सालय में उपचार करवाया था। 7 अगस्त को ज्यादा तबीयत खराब होने पर उसे अरावली चिक्तिसालय में भर्ती करवाया था। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी।

बालिका की हत्या करने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहरके प्रतापनगर थाना क्षेत्र में किशोरी की हत्या करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी ने दोस्ती नहीं करने से नारजा होकर किशोरी को ट्रेन के आगे धक्का दे दिया था। प्रकरण के अनुसार 2 अगस्त को पीडित ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मेरी पुत्री कम्प्यूटर क्लास के लिए गई थी। जो वापस घर नहीं लौटी। तलाश करने के दौरान दूसरे दिन पुलिस थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। इधर अनुसंधान के दौरान मृतका का शव झरनों की सराय रेल्वे ट्रेक पर शव मिला था। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगन राजपुरोहित के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में गठित दल ने परिजनों से की गई पूछताछ एवं अनुसंधान मे मिले साक्ष्यों के आधार पर शुरवीरसिंह पुत्र रामसिंह निवासी कुण्डीवाड़ा देबारी प्रतापनगर को डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी बालिका से दोस्ती करना चाहता था। इसके लिए वह तैयार नही थी। जिसे बातचीत करने के लिए घटना वाले दिन रेल्वे ट्रेक पर बुलाया था। जहां बातचीत करने के दौरान दोस्ती करने से इनकार करने पर वहां से गुजर रही ट्रेन के आगे धक्का दे कर फरार हो गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गईं थी।

धोखे से जमीन बेची

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बेची हुई जमीन को दुबारा बेच कर पीडित के साथ धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित वैणीराम पुत्र लिम्बाराम निवासी भैंसड़ा कला ने आरोपी ताराचंद भील पुत्रनानालाल निवासी लाड़ियों का खेड़ा कुराबड व भैसड़ा कला निवासी प्रेमीबाई पत्नी शंकरलाल के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि वर्ष 2021 में आरोपी ने मुझे जमीन बेची थी। किसी कारणवश म्यूटेशन नहीं खुलवा पाया। इसका फायदा उठा कर आरोपी ने उक्त जमीन को 2023 में प्रेमी बाई को बेच दी। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज करजांच शुरू की।

नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। शहर के सूरजपोल थाना क्षेत्र में स्थित ऑफिस का ताला तोड़ कर चोर नकदी चुरा ले गए।

पुलिस से प्राप्त जानकारी केअनुसार मुकेश पुत्र राजेन्द्रसिंह चौधरी नोर्थ एवेन्ट पुजावाली नियर सेलीब्रेशन माल सुखेर ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि मैं प्रिंटिग प्रेस का काम करता हू तथा मेरा गुरू राममदास कॉलोनी सूरजपोल में आफिस है। 6 अगस्त रात में आए नकाबपोश तीन बदमाश आफिस का ताला तोड़ कर गल्ले से 5 लाख रूपये तथा घर से 24 हजाररूपये तथा घड़ी चुरा ले गए। दूसरे दिन वारदात का पता चलने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया।

युवक ने की आत्महत्या

उदयपुर, (कासं)। शहर के घंटाघर थाना क्षेत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार रात में मेथनीपुर पश्चिम बंगाल हॉल सिगटवाड़ियों के सेहरी घंटाघर निवासी अतुला पात्रा (24) पुत्र शंभूनाथ पात्रा ने अपने मकान में फांसी लगा ली। दूसरे दिन इसका पता चलने पर एएसआई मोहम्मद इशाक ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सोंप दिया। अतुला सोने के जेवरात बराने की कारीगरी का काम करता था। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया।

महिला की अकाल मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरणमगरी थानाक्षैत्र में महिला की संदिग्ध मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित असगरी खून पत्नी अबू निसार निवासी शिवान बिहार हॉल हिरणमगरी सेक्टर 3 ऋषीनगर की बुधवार रात में अकाल मौत हो गई। रात में अचानक तबीयत खराब होने पर परिजन उसे उपचार के लए एमबी चिकित्सालय ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर हेडकांस्टेबल संग्रामसिंह ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

लूट का एक आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। बावलवाड़ा थाना पुलिस ने लूट के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया तथा विधी से संघर्षरत दो बाल अपचारियों को डिटेन किया। प्रकरण के अनुसार पीडित प्रवीण कुमार पुत्र नन्दलाल निवासी भाणदा बावलवाड़ा पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि 28 जून को खैरवाड़ा फोटोठाफी कर वापस बाइक पर घर लौट रहा था। जहां बीच रास्ते में मिले दो लडकों ने मुझे रोका धमका कर मेरा बैग जिसमें केमरा, लेन्स, चार्जर, दो बेटरी, फ्लेश लईट छिन ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक यागेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुसिल उप अधीक्षक राजीव राहर के सुपरविजन में बावलवाड़ा थानाधिकारी कर्णवीरसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने लूट के मामले में विधी से संघर्षरत दो बालअपचारियों को डिटेन कर पूछताछ की । दोनों ने लूट का माल आरोपी अनिल सिह पुत्र राजुसिंह निवासी गोहावाड़ा को बेचना बताया।

नाम परिवर्तन

मैं शब्बीर खान पिंजारा S/O दाउद खान निवासी नोहरा मोहल्ला, पीपरड़ा राजसमंद अपना नाम व (सही जन्म दिनांक) शब्बीर खान (SHABBIRKHAN) 17/2/1969 रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे।

नाम परिवर्तन

मैं मेराज बेगम (MAIRAJ BEGUM) W/O शब्बीर खान निवासी नोहरा मोहल्ला, पीपरड़ा राजसमंद अपना नाम बदलकर मेराज (MAIRAJ) रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे।

नाम परिवर्तन

मैंने मेहताब हुसैन शैख पिता श्री सगीर मोहम्मद शैख उम्र 40 वर्ष निवासी 2332/4 राता खेत 80 फीट रोड, सज्जन नगर, उदयपुर राजस्थान ने अपना नाम बदलकर मेहताब हुसैन रख लिया। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जावें ।

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

क्रमांक : F7 (12) PLAN / LANDUSE /2024/ दिनांक : / / 2024

आम - सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार के द्वारा गुलाब कोठारी बनाम राजस्थान सरकार एवं अन्य सिविल रिट संख्या 1554 / 2004 में माननीय उच्च न्यायालय, जोधपुर के द्वारा पारित निर्णय के क्रम मे सरकार के विभागीय आदेश दिनांक 20-07-2017 के अनुसार एवं राज्य सरकार के द्वारा समय-समय पर वृहद / व्यापक जनहित के दृष्टिगत मास्टर प्लान में भू-उपयोग परिवर्तन अनुज्ञये किये जाने के संबंध मे प्रदत्त आदेशों / परिपत्रों की अनुपालना मे निम्नलिखित प्रकरण भू-उपयोग परिवर्तन बाबत् विचाराधीन है:-

क्र. सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम/ योजना	खसरा संख्या/ब्लॉक संख्या	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल	भूखण्ड/भूमि की स्थिति	भू-उपयोग परिवर्तन
1	श्रीमती विमला जैन पत्नी श्री भगवत सिंह जैन	भुवाणा	3424, 3431 से 3433, 3436 से 3441, 3505, 3506, 3508 से 3520, 3522 से 3529, 3533 से 3535, 3563 से 3567, 3571, 3572, 4417/3563	08	4050.00 वर्गफीट	शोभागपुरा चौराहे से भुवाणा-प्रतापनगर बाईपास को जाने वाली 100 फीट सड़क पर नेस्ट कैफे के समीप स्थित है।	आवासीय उपयोग से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ

उक्त प्रकरण के भू-उपयोग परिवर्तन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो न्यास कार्यालय में इस सूचना जारी होने की तिथि से 15 दिवस में किसी भी कार्य दिवस में निम्नहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत कर सकते है। इस समयावधि में कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर भू-उपयोग परिवर्तन बाबत अग्रिम कार्यवाही की जायेगी । आयुक्त उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर

सार-समाचार

दो पत्थरबाज गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। घाटोल थाना पुलिस ने रात्रि में सडक जाम कर पत्थरबाजी करने के मामले में दो पत्थरबाजों को गिरफ्तार किया है वहीं दो नाबालिगों को डिटेन किया। थानाधिकारी प्रवीण सिंह सिसोदिया ने बताया कि 6 अगस्त को गोविन्द पुत्र कमलशंकर निवासी दूदका ने रिपोर्ट दी कि वह 5 अगस्त को अपने साथी श्रवण कुमार पुत्र नाकु निवासी बोदलापाडा रात्रि में लगभग 11 बजे दुकान बंद कर घाटोल से दूदका जा रहे थे कि रास्ते में हेरो के पास गट्टुलाल, राजमल के अलावा दो अन्य ने रास्ता रोककर पथराव किया जिससे गोविन्द को गंभीर चोटे आयी। पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही चारों फरार हो गये। जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिये। जिस पर थानाधिकारी सिसोदिया ने थाना स्तर पर टीम गठित करते हुए सहायक उपनिरीक्षक मेघराज, हैड कांस्टेबल युवराज व वीरभद्र, कांस्टेबल कल्याण सिंह व वीरभद्र सिंह की टीम गठित की। इस टीम ने गट्टुलाल डामोर निवासी लांबी पाटिया, राजमल पुत्र गट्टुलाल डामोर निवासी लांबी पाटिया को गिरफ्तार किया वहीं दो नाबालिगों को डिटेन किया।

ट्रेडिंग के नाम पर 15.50 लाख रुपए ठगे

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाडा थाने में 15.5० लाख रुपए की ठगी का प्रकरण दर्ज करवाया गया है। यूक्रेन और फिग किर्गिस्तान से एमबीबीएस कर रहे दोस्त ने ट्रेडिंग बिजनेस के नाम पर उससे ठगी की। वहीं, आरोपी की ओर से दिए गए 2 चेक भी बाउंस हो गए। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।बिछीवाडा थाना पुलिस के अनुसार सूरज पुत्र कांतिलाल पटेल निवासी छापी ने मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि वर्ष 2019 से वह यूक्रेन से एमबीबीएस कर रहा था। आरोपी शाहिद चौहान पुत्र रमेश चौहान निवासी नोएडा उत्तरप्रदेश भी उसके साथ ही एमबीबीएस कर रहा था। इस वजह से दोनों में जान पहचान थी। वर्ष 2021 में यूक्रेन युद्ध हो गया और सभी एमबीबीएस स्टूडेंट किर्गिस्तान देश चले गए। आरोपी शाहिद भी वहीं आ गया। दोनों एक ही बैच के स्टूडेंट होने के साथ ही एक कमरे में रहने लगे, जिससे दोनों में गहरी दोस्ती हो गई। 12 फरवरी 2023 को आरोपी शाहिद चौहान ने ट्रेडिंग बिजनेस में निवेश करने के लिए 6 लाख 31 हजार रुपए की आवश्कता बताई। इस पर उसने ये रुपए उसे दे दिए। इसके बाद 1 जुलाई 2023 को आरोपी ने 5 लाख रुपए की ओर जरूरत बताई। इस पर उसने कहां कि उसके पास ओर रुपए नहीं है। आरोपी ने 2-3 महीने में रुपए लौटाने का भरोसा दिलाया। जिस पर उसने अपने रिश्तेदारों से 5 लाख रुपए उधार लेकर उसे दिए,लेकिन उसने ये रुपए समय पर वापस नहीं दिए। 14 मार्च 2024 को आरोपी शाहिद चौहान भारत आ गया। इसके बाद वह भी 26 अप्रैल को भारत आ गया। 7 मई को आरोपी ने फिर से उसे काल किया और 2 लाख रुपए की सख्त आवश्यकता बताई। इस और उसने कहा कि पहले से दिए रुपए ही आज तक नहीं दिए है। अब उसके पास रुपया नहीं है। इस पर उसने कहा कि ट्रेडिंग बिजनेस में वह फंस गया है। उसे 2 लाख रुपए नहीं मिले तो वह पहले दिए 13.50 लाख रुपए भी वापस नहीं दे सकेगा। इस पर उसने रुपए डूबने के डर से 2 लाख रुपए दे दिए।

लोकार्पण पट्टिका का अनावरण

मंडफिया, (निसं)। भदेसर उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत पीपलवास में मुख्यमंत्री जल स्वालंबन अभियान के अंतर्गत जल संग्रहण तलाई नवीनीकरण कार्य का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कपासन विधायक अर्जुन लाल जीनगर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भदेसर प्रधान सुशीला कंवर आक्या ने की। जिला परिषद सदस्य कैलाश चंद्र जाट ने बताया कि पीपलवास गांव के जवानपुरा सड़क मार्ग के किनारे स्थित मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन योजना के अंतर्गत निर्मित तलाई नवीनीकरण कार्य का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लोकार्पण पट्टिका का अनावरण करने के पश्चात तलाई में आए नवीन पानी की पूजा अर्चना विधायक जीनगर तथा प्रधान सुशीला कंवर आक्या ने की। इस मौके पर जवानपुरा कॉलोनी के विस्थापितों की भूमि का मालिकना हक दिलाने तथा सड़क मार्ग की मांग रखी। कंथारिया सरपंच कालू लाल जाट ने सागवाडिया प्राथमिक विद्यालय भवन के मरम्मत की मांग तथा पीपल वास ग्राम वासियों ने हाज्याखेड़ी से पीपलवास सड़क निर्माण की मांग की।

सांवलिया जी सेठ के दर्शन किए

मंडफिया, (निसं)। राजस्थान एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ ने भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दर्शन किए। कांठोस युवा नेता सुरेश चंद्र गुर्जर ने बताया कि एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ बुधवार रात्रि को सांवलिया सेठ मंदिर पहुंचे, जहां मंदिर पुजारी ने प्रदेशाध्यक्ष जाखड़ को तुलसी एवं चरणामृत प्रदान किया। दर्शन पश्चात प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ का मंदिर कार्यालय में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भेरुलाल गुर्जर, मंदिर बोर्ड सदस्य अशोक कुमार शर्मा, भादसोड़ा सरपंच मंदिर बोर्ड सदस्य शंभू लाल सुथार ने उपरना ओढ़ाकर स्वागत एवं सम्मान किया।

ग्राम विकास अधिकारी संघ ने कार्य बहिष्कार की दी चेतावनी

कपासन, (निसं)। राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ कपासन ने स्वामित्व योजना के क्रियावन में आ रही व्यावहारिक समस्याओं को लेकर गुरुवार को ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग मंत्री और मुख्य सचिव के नाम बीडीओ को ज्ञापन सौंपा। साथ ही समस्याओं के निराकरण करवाने का आग्रह किया है।13 अगस्त तक निराकरण नहीं होने पर इस योजना के कार्य का बहिष्कार किया जाएगा।

राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ कपासन के ब्लाक अध्यक्ष कमलेश

■ स्वामित्व योजना के क्रियावन में आ रही व्यावहारिक समस्याओं के निराकरण की मांग

राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ ने जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर जाट के नेतृत्व में बीडीओ मुकेश पोरवाल को ज्ञापन दिया।

बौद्ध ने बताया कि जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर जाट के नेतृत्व में इस संबंध में पंचायत समिति कपासन बीडीओ मुकेश पोरवाल को ग्रामीण विकास ओर पंचायती राज विभाग मंत्री और मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें बताया गया कि पंचायती राज विभाग संदर्भित पत्रांकों के अनुसार ग्रामीण आबादी भूमि के स्वामित्वधारियों को राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के प्रावधानों के तहत उनके कब्जे स्वामित्व की आबादी भूमि का विधिक दस्तावेज पट्टा, विक्रय विलेख दिया जाना है।भूमि के स्वामित्वधारियों को राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के प्रावधानों के तहत उनके कब्जे स्वामित्व की आबादी भूमि का विधिक दस्तावेज पट्टा, विक्रय विलेख दिया जाना है। स्वामित्व योजना की क्रियान्वयन में अस्पष्ट दिशा निर्देशों तथा समुचित प्रशिक्षण के अभाव में इससे संबंधित कार्मिकों और जनप्रतिनिधियों को बहुत अधिक जटिलताओं का सामना करना पड रहा है। ज्ञापन में कुल 23 प्रकार की समस्याओं का उल्लेख किया गया। क्रियान्वयन में आ रही व्यवहारिक समस्याओं के निस्तारण 13 अगस्त तक निस्तारण करवाने मांग की गई। अगर 13 अगस्त तक विभाग की ओर से समस्याओं का निराकरण नहीं किया जाता है, तो 14 अगस्त से स्वामित्व योजना का पूर्ण रूप से बहिष्कार किया जाएगा और इसमें किसी प्रकार का कोई भी कार्य नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर लाल जाट, ब्लाक अध्यक्ष कमलेश बौद्ध, शंकरलाल बैरवा, प्रवीण मेनारिया, उर्मिला विजयवर्गीय ,पुष्कर राज योगी, तेजसिंह पवार, ,पारस बिश्नोई, रामेश्वर लाल सालवी, सुरेश प्रजापत, रोहित सेनी ,विनोद कुमार ढाका, घनश्याम उपाध्याय , खलील मोहम्मद, राहुल व्यास, आशुतोष गौड, प्रमोद भांभी आदि मौजूद रहे।

हर घर तिरंगा-2024 का आगाज आज से

उदयपुर, (कासं)। स्वाधीनता दिवस के उपलक्ष्य में कला संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा-2024 का आगाज शुक्रवार से होगा। 9 से 14 अगस्त तक प्रस्तावित इस अभियान के दौरान उदयपुर जिले में ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर पर विविध आयोजन होंगे।

जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी और हर घर तिरंगा अभियान की नोडल अधिकारी कीर्ति राठौड़ ने गुरूवार शाम को वीडियो कांफ्रेन्स के माध्यम से बैठक लेते हुए अभियान को वृहद् स्तर पर पूर्ण गरिमा और उल्लास के साथ आयोजित करने के निर्देश दिए। सीईओ राठौड ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इसमें अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि 9 से 14 अगस्त तक चलने वाले अभियान के दौरान ग्राम पंचायत, ब्लॉक एवं जिला स्तर पर तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी। इसके अलावा उपखण्ड एवं जिलास्तर पर तिरंगा रैलियों का भी आयोजन किया जाना है। जिला स्तर पर मैराथन और सांस्कृतिक संध्या होगी।

शराब तस्कर गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाडा थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के केस में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी तीन महीने से फरार चल रहा था। जिस पर पुलिस की ओर से 5 हजार रुपए का इनाम रखा गया था।

बिछीवाडा थानाधिकारी ने बताया कि 23 मई को राजस्थान गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर एक ट्रक को रूकवाया। ट्रक ड्राइवर भानूप्रकाश प्रजापति निवासी झालावाड ने बबुल की लकडी होना बताया।

कांकरोली में तीन बदमाश पकड़े

राजसमंद, (निसं)। कांकरोली थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर अपराधियों को फोलो कर दहशत फैलाने वाले 3 बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी हनवंतसिंह सोढा ने बताया कि विगत दिनों शहर में हुई फायरिंग की घटना को एसपी मनीष त्रिपाठी द्वारा गम्भीरता से लेते हुये एएसपी महेन्द्र पारीक के सुपरविजन व डीएसपी विवेकसिंह के निर्देशानुसार शहर में अवैध हथियार सप्लाई करने वाले व हथियार रखने वाले अपराधियों तथा गुण्डो को, सोशल मीडिया पर अपराधियों को फोलो कर दहशत फैलाने वाले की धरपकड के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कांकरोली थाना पुलिस द्वारा ऐसे तीन दहशतगर्दो किशनलाल (21) पुत्र भूरालाल भील निवासी बाघपुरा, विष्णु (21) पुत्र भूरालाल भील निवासी बाघपुरा व प्रकाश चन्द्र (22) पुत्र रामलाल भील निवासी बाघपुरा को सोशल मीडिया किंग खान नामक ग्रुप चलाने वाले मफरुर अपराधी हासिम खान उर्फ मोहिद पुत्र आफताब खान पठान निवासी आजाद नगर जलचक्की कांकरोली हाल निवासी बागपुरा, मुकेश उर्फ फुग्गा पुत्र मदनलाल गवारिया निवासी भीलमगरी कुण्ड के पास जलचक्की कांकरोली के फोलोअर्स है। ये सभी लोग फरार अपराधी हासिम खान उर्फ मोहिद, मुकेश उर्फ फुग्गा के सोशल मीडिया अकाउन्टस फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाटसअप पर अपराधियों को फोलो कर अपराध को बढावा देते हुये अपराधियों द्वारा पोस्ट किये गये वीडियो -फोटो को वायरल करते हैं। अपराधियों के सोशल मीडिया अकाउंटस फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाटसअप पर राजसमन्द साईबर पुलिस द्वारा लगातार निगरानी रखी जाकर कार्यवाही जारी है।

कांकरोली पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया।

सार-समाचार

ज्ञापन सौंपा

भीम, (निसं)। राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के पदाधिकारी ने स्वामित्व योजना की समस्याओं के निस्तारण के लिए गुरुवार को सहायक विकास अधिकारी सोहनलाल सालवी को ज्ञापन सौंपा गया। उदयपुर संभाग मंत्री संतोषसिंह ब्लॉक अध्यक्ष योगेश कुमार महेंद्र कुमार भांवरिया धीर सिंह मीणा मनोहर सिंह ईशंश मीना लोकेश मीणा दिव्या चोयल सुरभि शर्मा ललिता चोयल लालाराम भगवान सहाय रामलाल मुकेश कुमार हिंगोलिया मोहन सिंह वीरम सिंह चंपा लटियाल अंकित सेन श्यामसुंदर मीणा मोनिका कुमारी, देवेंद्र तंवर मदनसिंह संग्राम सिंह आनंद ज्योति आदि ठााम विकास अधिकारियों ने स्वामित्व योजना के अंतर्गत आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के निस्तारण के लिए ठााम गुरुवार को ठाामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्थान सरकार जयपुर के नाम ज्ञापन सौंपा है।इस ज्ञापन में कहा गया है कि स्वामित्व योजना के क्रियान्वयन में कई समस्याएं आ रही हैं, जिन्हें तत्काल हल किया जाना चाहिए। बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा स्वामित्व योजना में प्रॉपर्टी कार्ड में पट्टे वितरण में किसी भी प्रकार की त्रुटि विवाद की स्थिति होने पर अपीलीय प्रावधान किए जाएं इसमें सीधे पुलिस मुकदमा एफआईआर दर्ज नहीं करने दण्डात्मक कार्यवाही नहीं करने एवं सुनवाई का अधिकार होने के संबंध में स्पष्ट परिपत्र जारी किया जावे।ग्राम विकास अधिकारी संतोष सिंह योगेश कुमार लोकेश सिंह धीर सिंह मीणा ज्ञापन सौंपने वालों ने मांग प्रिंस मीणा लोकेश मीणा दिव्य चैनल सुरभि शर्मा ललित चौहान योगेश कुमार संतोष कुमार आदि ने समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाए, ताकि स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को इसका पूरा लाभ मिल सके।

नेता प्रतिपक्ष से मिले कांग्रेस जन

डूंगरपुर, (निसं)। चौरासी विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उप चुनावों को लेकर चौरासी विधान सभा क्षेत्र के कांग्रेस जन का प्रतिनिधि मण्डल जयपुर पहुंचा जहां उन्होंने विधानसभा में प्रतिपक्ष नेता एवं विधायक टीकाराम जुली से मुलाकात कर उप चुनावों के लिए पार्टी का अधिकृत उम्मीदवार घोषित करने की मांग की। कांग्रेस जनों ने टीकाराम जूली का स्वागत किया और विस्तार से क्षेत्र की गतिविधियों के बारे में और काग्रेस पार्टी के जीत की गणित के बारे में अवगत कराया और आने वाले समय में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए कांग्रेस उम्मीदवार उतरना जरूरी बताया साथ ही कहा की उपचुनाव में किसी अन्य पार्टी के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जावे अन्यथा भविष्य में काग्रेस पार्टी को भारी नुकसान झेलना पडेगा। इस मौके पर पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा, जिलाध्यक्ष वल्लभ राम पाटीदार, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रियकांत पंड्या, पूर्व प्रधान एडवोकेट निमिषा भगोरा, ब्लॉक अध्यक्ष डुलेसिंह चौहान जनजाति ब्लॉक अध्यक्ष विनोद कटारा जिला कांग्रेस कमेटी महामंत्री रूपचंद भगोरा पंचायत समिति सदस्य विमल डूंडियार सरपंच संजय कलासुआ सरपंच मुकेश, सरपंच दिलीप सरपंच मेवाडा कमलेश ननोमा पूर्व पंचायत समिति सदस्य गोवर्धन पारगी कांग्रेस नेता चेतन मेहता शिक्षाविद् नरेश रोत महेंद्र भाभोर लैंप अध्यक्ष भादर पूर्व सरपंच विकास नगर ओबीसी ब्लॉक अध्यक्ष अमृतलाल पटेल आदि मौजूद थे।

अवैध गांजा परिवहन करते एक धरा

राजसमंद, ०(निसं)।जिले में एसपी मनीष त्रिपाठी के आदेशानुसार अवैध मादक पदार्थ,अवैध हथियार सप्लाई करने वाले, हथियार रखने वाले अपराधियों तथा गुण्डों को सोशल मीडिया पर फोलो कर दहशत फैलाने वाले की धरपकड के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कांकरोली थाना पुलिस की टीम ने अवैध रूप से 1.377 किलोग्राम गांजा परिवहन करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया। आरोपी से गांजा क्रय/विक्रय के संबध में पूछताछ जारी है। थानाधिकारी हनवंत सिंह सोढा ने बताया कि वासोल भाणा रोड तिराहा पर दौराने नाकाबंदी सोहेल (20) उर्फ सोढा पुत्र सलीम मंसुरी निवासी भीलमगरी, जलचक्की, कांकरोली को अवैध रूप से 1.377 किलोग्राम गांजा परिवहन करते हुए गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया गया।

घटिया सामग्री के उपयोग का आरोप

बांसवाड़ा, (निसं)। भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा छात्रसंघ अध्यक्ष राहुल गरासिया व ब्लॉक संयोजक राजेश डिंडोर के नेतृत्व में राजकीय महाविद्यालय सज्जनगढ में निर्माणधीन भवन का निरीक्षण कर घटिया सामग्री के उपयोग पर रोष जताया। छात्रसंघ पदाधिकारियों ने भवन निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पानी का रिसात हो रहा है अतरू प्रशासन अविलम्भ कार्य व सामग्री का निरीक्षण कर भवन निर्माण में गुणवत्तायुक्त सामग्री का उपयोग करने के लिये संबंधित को पाबंद करें अन्य महाविद्यालय छात्रों द्वारा विरोध किया जायगा जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की रहेगी। इस अवसर पर छात्र प्रतिनिधि कैलाश डामोर, कपिल भाभोर, भूरसिंह परमार, इकाई संयोजक बलवंत परमार व दिनेश सुरावत, जीतमल डामोरआदि मौजूद रहे।

प्रन्यास पुण्य विमल महाराज का 132 वां जन्मोत्सव मनाया

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बनकोडा क्षेत्र में आज श्रावण शुक्ल की चतुर्थी के अवसर पर पन्यास पुण्य विमल महाराज के 132 वे जन्म जयंती महामहोत्सव का आयोजन बडी धूमधाम से संपन्न हुआ।

सर्वप्रथम विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय से रत्नागिरी तीर्थ स्थल तक गाजों बाजो के साथ प्रभातफेरी का आयोजन किया। सैकडो विद्यार्थियों ने रत्नागिरी मंदिर पहुंचकर गुरुदेव के दर्शन किए।तत्पश्चात रत्नागिरी तीर्थ स्थल पर प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ। वहां से प्रभात फेरी पुन: विद्यालय प्रांगण पहुंची जहां पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता पुण्य प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रमोद शाह द्वारा की गई मुख्य अतिथि मंगलेश भूपतावत विशिष्ट अतिथि संस्था प्रधान नयन चौबीसा, अशोक जैन प्राण जीवन भूपतावत, अनीता जैन वीणा जैन मौजूद रहें। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन व ईश वंदना से हुई संस्था प्रधान नयन चौबीसा ने स्वागत उद्बोधन व गुरुदेव के जीवन के बारे में बताया। अध्यक्ष प्रमोद शाह ने पूज्य गुरुदेव का स्मरण करते हुए अपने प्रवचनों में बतलाया की गुरुदेव पुण्य विमल महाराज एक महान तपस्वी, साधक एवं वात्सल्य के धनी थे। उनकी तपस्या का ऐसा अलौकिक प्रभाव था कि जो महाराज बोल दें वैसा ही होता है। लोग उनके पास अपनी समस्याएं लेकर जाते थे और महाराज के आशीर्वाद से उनके असंभव कार्य भी संभव हो जाते थे। विद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर भामाशाह अध्विका जैन पुत्री अभिनव जैन भीलवाडा के द्वारा प्रसाद वितरण किया गया। गुरूदेव के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार वृक्षारोपण महाअभियान हरियालों राजस्थान के तहत पुण्य हरित योजना में भामाशाहों के माध्यम से इस शुभ अवसर पर 124 पौधे लगाए गए, पौधो की सुरक्षा हेतु ट्री गार्ड खाद मिट्टी व ड्रिप सिस्टम के माध्यम से सिंचाई हेतु पाइप लाइन की व्यवस्था की गई है। ताकि सभी पौधे जीवित रहे।कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त स्टाफ अभिभावकगण व विद्यार्थी उपस्थित रहे । मंच संचालन हिमांशु व्यास ने किया आभार व्यक्त हिमानी कलाल राकेश जैन ने किया।

इसी क्रम में वागड उद्धारक प्रन्यास प्रवर पुण्य विमल जी महाराज की 132 वीं जन्म जयंती के अवसर पर ओटा स्थित नेमिनाथ मंदिर के पुण्य प्रवचन हॉल में मुनिरत्न सागर जी एवं पवित्ररत्न सागर जी की निश्रा में गुणानुवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रारंभ में उनकी तस्वीर के सम्मुख वीशा पोरवाड संघ के प्रतिनिधियों ने दीप प्रज्ज्वलन व वाक्षेप पूजा कर अनुमोदन किया। इस अवसर पर समाज के जयंतीलाल मेहता, रजनीकान्त मेहता, महावीर प्रसाद जैन, हर्ष मेहता, सुभाष मेहता, अभय मेहता, शैलेष मेहता आदि उपस्थित थे।

■ 124 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

बनकोडा में प्रन्यास पुण्य विमल महाराज की जयंती मनाई।

स्काउट यूनिफॉर्म वितरित की

बांसवाड़ा, (निसं)। राउमावि आला पृथ्वीगढ में सराफा एसोसिएशन के सानिध्य में पौधरोपण एवं स्काउट यूनिफॉर्म वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि सराफा एसोसिएशन अध्यक्ष पवन कुमार जैन रहे जबकि अध्यक्षता प्रधानाचार्य प्रीति कुलश्रेष्ठ ने की एवं विशिष्ट अतिथि सत्यनारायण सोनी, पीयूष जैन, राजेश मेहता एवं राहुल जैन रहे। दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की वंदना उपरांत विद्यालय के प्रेम सिंह मईडा,धवल उपाध्याय प्रतिमा आचार्य तथा निधि शर्मा ने उपरणा औढाकर सम्मान किया। सराफा एसोसिएशन की ओर से कक्षा 9 के बादल, महेश, मनोहर, गणेश एवं निलेश को स्काउट ड्रेस भेंट की। स्वागत उद्बोधन में प्रधानाचार्य कुलश्रेष्ठ ने विद्यालय की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए सराफा एसोसिएशन के पदाधिकारियों का अभिनंदन किया वहीं सहयोग करने वाले भामाशाहों को याद करते हुए स्काउट-गाइड के लिए 10 ड्रेस उपलब्ध कराने के लिए सराफा एसोसिएशन के पदाधिकारियों का आभार जताया। मुख्य अतिथि स्काउट प्रधान पवन कुमार जैन ने पर्यावरण संरक्षण के लिये पौधरोपण का महत्व बताते हुए स्काउट गाइड गतिविधि से जुडकर सेवा भावना पूर्वक दायित्व निर्वहन करने का आ ान किया। हितेंद्र आचार्य के मार्गदर्शन में छात्रों ने दीप जलता रहे गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम उपरांत पदाधिकारियों ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण करते हुए स्काउट छात्रों को पौधों में पानी पिलाने और सुरक्षा का दायित्व सौंपा।

विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

ठकुरानी तीज पर नगर परिषद की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे।

राजसमंद, ०(निसं)। नगर परिषद राजसमंद के सानिध्य में ठकुरानी तीज के उपलक्ष्य में बुधवार शाम को इरिगेशन गार्डन कांकरोली में महिलाओं, बालक-बालिकाओं, युवतियों व बच्चों के साथ ही पुरुष वर्ग के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

मेले में सैंकडो दर्शकों के बीच आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रतियोगियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। नगर परिषद सभापति अशोक टांक ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रिलायंस ग्रुप के डायरेक्टर अनिल सिंह थे व अध्यक्षता पेसिफिक अस्पताल उदयपुर के प्रो. डॉ हरीश कुमावत ने की। इसके साथ ही पार्षद भुरालाल कुमावत, हिमानी नन्दवाना, पूर्व पार्षद कमलेश साहू, चंचल नन्दवाना, परसराम पोरवाड भी मंचासीन थे। वहीं उप प्रधानाचार्य बालकृष्ण विद्याभवन कांकरोली रमेश आमेटा, दीपेश औदिच्य व राधेश्याम आचार्य विशिष्ट अतिथि रहे। मंच संचालक गोविन्द औदिच्य ने बताया कि मंचासीन अतिथियों ने प्रतियोगिताओं में विजेताओं, उपविजेताओं व तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को तथा निर्णायकों और कार्यक्रम में सहयोग करने वाले नगरपरिषद के कार्यकर्ता लक्ष्मीलाल कुमावत, रतनसिंह व प्रहलाद छापरवाल, विजय शर्मा, उदयगोपाल, लक्ष्मीलाल कुमावत, रतनसिंह, प्रहलाद छापरवाल, दिपेश औदिच्य, राधेश्याम आचार्य, सहित लाईट, माइक टेन्ट वालों को स्मृति चिन्ह तथा इकलाई पहनाकर नगर परिषद राजसमन्द द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही रिलाइंस ग्रुप के डॉ अनिलसिंह तथा उनकी पूरी टीम का भी सम्मान किया गया।

इस अवसर पर रिलाइंस ग्रुप तथा नगर परिषद ने सभी प्रतियोगियों तथा दर्शकों को फ्रूटियां वितरित की। आभार नेता प्रतिपक्ष हिम्मत कुमावत ने ज्ञापित किया। यह रहे विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम : स्टेयर्स जपिंग रेस बालक वर्ग में संदीप मेघवाल, लक्षित राज सोलंकी, संदीप भील। बालिका वर्ग में दिव्यासिंह, वृन्दा गोस्वामी, निर्मला प्रजापत। शिशु वर्ग में ईशिता कुंवर राठौड, देवांश औदिच्य, सृष्टि पंचोली नीलमणी सारस्वत। चम्मच रेस के कनिष्ठ बालिका वर्ग में पूर्वी शर्मा, नित्या जांगिड, हितिका पालीवाल।

विनेश एक योद्धा हैं, मैट पर और मैट से बाहर भी। विनेश के माध्यम से हम सीख रहे हैं कि हार के बावजूद भी अपने अंदर की लड़ाई को कभी नहीं हारना क्या मायने रखता है। विनेश फोगाट एक योद्धा की सच्ची भावना को मूर्त रूप देती हैं। - अभिनव बिन्द्रा

पूर्व ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता, विनेश फोगाट की प्रशंसा की।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

सूर्यकुमार यादव

भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस साल आगामी बुची बाबू बहु-दिवसीय टूर्नामेंट में मुंबई के लिए एक मैच खेलने की पुष्टि की है। सूर्यकुमार 27 से 30 अगस्त तक कोयंबतूर में तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन एकादश के खिलाफ मुंबई सीए एकादश के लिए खेले जाने वाले दूसरे मैच में खेलेंगे। टेस्ट विशेषज्ञ सरफराज खान को मुंबई की टीम का कप्तान बनाया गया है। सूर्यकुमार सभी प्रारूपों के क्रिकेट में खेलना चाहते हैं और भारतीय खिलाड़ी अभी ब्रेक पर होंगे क्योंकि उन्हें अगली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ खेलनी है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

हॉकी में फिर से इतिहास दोहराया, भारत ने ओलिंपिक में लगातार दूसरा कांस्य जीता

स्पेन को 2-1 से हराकर भारतीय हॉकी टीम ने जीता चौथा कांस्य पदक

पेरिस, 8 अगस्त। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने टोक्यो ओलिंपिक 2020 के प्रदर्शन को दोहराते हुए गुरुवार को स्पेन को 2-1 से हराकर इतिहास रचते हुए पेरिस ओलिंपिक में देश के लिए चौथा कांस्य पदक जीता। आज यहां यवेस-डु-मनोइर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में पहला क्वार्टर में दोनों टीमों के आक्रामक प्रर्दाशन के बावजूद गोल रहित रहा। हालांकि इस दौरान भारत ने नौ बार आक्रामक तरीके से स्पेन के सर्कल में प्रवेश किया गोल करने में सफल नहीं हुये।

इसके बाद स्पेन ने दूसरे क्वार्टर में फिर से आक्रामक शुरुआत करते हुए केवल तीन मिनट बाद मिले पेनल्टी स्ट्रोक का फायदा उठाते हुए मार्क मिरालेस ने गोलकीपर पीआर श्रीजेश को चकमा देते हुए 18वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को बढ़ त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने कर 1-1 से बराबरी कर ली। तीसरे क्वार्टर में हरमनप्रीत ने 33वें मिनट में गोल दाग कर भारतीय टीम को 2-1 से बढ़ त दिला दी। इसकी के साथ ही टूर्नामेंट में हरमनप्रीत के गोलों की संख्या दस हो गई।

भारतीय कप्तान को दो मिनट बाद गोल करने का एक और मौका मिला, लेकिन वह स्पेनिश गोलकीपर को चकमा देने में विफल रहे। चौथे क्वार्टर में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और कई पेनल्टी कार्नर के मौके बनाये लेकिन वे इसे गोल में तब्दील नहीं कर सकी। मैच के दौरान भारतीय टीम ने स्पेन पर अधिकतर समय दबाव बनाये रखा। पेरिस 2024 ठाीष्मकालीन खेलों में यह भारत को चौथा कांस्य पदक है और पुरुष हॉकी में यह 13वां ओलिंपिक पदक है। म्यूनिख ओलिंपिक 1972 के बाद यह पहली बार जब भारत ने लगातार दो ओलिंपिक पदक जीते हैं।

ओलिंपिक में मिली इस पदक जीत के साथ ही भारतीय गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने संन्यास ले लिया। उल्लेखनीय है कि हरमनप्रीत सिंह एंड कंपनी ने टोक्यो ओलिंपिक 2020 खेलों में भी कांस्य पदक जीता था। भारतीय हॉकी टीम ने एम्स्टर्डम ओलिंपिक 1928 में स्वर्ण, लॉस एंजिल्स 1932 में स्वर्ण, बर्लिन 1936 में स्वर्ण, लंदन 1948 में स्वर्ण, हेलसिंकी 1952में स्वर्ण, मेलबर्न 1956 में स्वर्ण, रोम 1960 में रजत, टोक्यो 1964 में स्वर्ण, मेक्सिको सिटी 1968 में कांस्य, म्यूनिक 1972में कांस्य, मॉस्को 1980 में स्वर्ण, टोक्यो 2020 में कांस्य और पेरिस 2024 में कांस्य जीता है।

भारत की इस बेटी पर देश हमेशा गर्व करेगा

विनेश ने कुश्ती को कहा अलविदा

पेरिस, 8 अगस्त। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक 2024 में फाइनल मुकाबले के लिये अयोग्य ठहराये जाने के बाद गुरुवार को कुश्ती को अलविदा कह दिया। वहीं अमेरीकी पहलवान सारा एन हिल्डेब्रांट ने कुश्ती का खिताब जीत लिया।

हिन्डेब्रांट ने फाइनल मुकाबले में युसनेलिस गुजमान को 50 किग्रा वर्ग में हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया। उल्लेखनीय है कि विनेश को फाइनल मैच के लिए अयोग्य घोषित किए जाने के बाद सेमीफाइनल मैच में विनेश से हारी युसनेलिस गुजमान लोपेज को फाइनल मुकाबले में जगह दी गयी थी। इससे पहले निराश विनेश ने सोशल मीडिया पर अपने संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा वह अब हमेशा के लिए कुश्ती छोड़ रही हैं।

उन्होंने अपनी मां प्रेमलता को संबोधित करते हुए लिखा, माँ, कुश्ती मुझसे जीत गई, मैं हार गई। आपके सपने और मेरी हिम्मत टूट गई है। मुझमें अब और आगे बढ़ने की ताकत नहीं है। अलविदा कुश्ती 2001-2024, मैं हमेशा आप सभी की ऋणी रहूँगी। माफी। गौरतलब है कि बुधवार को 50 किग्रा कुश्ती वर्ग के फाइनल मुकाबले के लिये विनेश फोगाट को यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग द्वारा अयोग्य घोषित किया गया था। विनेश पेरिस 2024 में मंगलवार को जापान की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन यूई सुसाकी, यूक्रेन की पूर्व यूरोपीय चैंपियन ओक्साना लिवाच और क्यूबा की मौजूदा पैन अमेरिकन गेम्स चैंपियन युसनेलिस गुजमान को हराकर महिलाओं के 50 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंचीं थीं। हालांकि, ओलंपिक में कुश्ती के फाइनल मैच में प्रतिस्पर्धा करने वाली पहली भारतीय महिला बनने के लिए तैयार विनेश का सपना टूट गया। अपने वजन को कम करने के लिए किए गए अथक प्रयासों के बावजूद विनेश का वजन उनके भार वर्ग 50 किग्रा से थोड़ा अधिक पाया गया और उन्हें कुश्ती फाइनल मुकाबले के लिए अयोग्य करार कर दिया गया।

विनेश ने सीएएस से संयुक्त रजत पदक देने का किया अनुरोध

पेरिस, 8 अगस्त। भारतीय पहलवान विनेश फोगट ने कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स में 50 किग्रा वर्ग के ओलंपिक फाइनल से खुद को अयोग्य ठहराए जाने पर उन्हें संयुक्त रजत पदक दिये जाने का अनुरोध किया है। विनेश फोगाट ने मामले पर तत्काल सुनवाई की मांग करते हुए दो ओलंपिक रजत पदक दिए जाने का अनुरोध किया है। एक उन्हें और एक हारने वाले फाइनलिस्ट को। विनेश के अनुरोध पर आज को फैसला आने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 50 किग्रा कुश्ती के फाइनल से 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य घोषित किया गया था।

आरसीए की पूर्व कार्यकारिणी पर एफआईआर दर्ज

दुनिया के तीसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में करोड़ों का घोटाला

वनडे मैचों में घोटाला, कैटरिंग का काम करने वाली फर्म को बिल्डिंग बनाने का काम दिया

जयपुर, 8 अगस्त। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) की एडहॉक कमेटी ने गुरुवार को एसोसिएशन की पूर्व कार्यकारिणी पर एफआईआर दर्ज करवाई है। एडहॉक कमेटी के संयोजक जयदीप बिहाणी ने बताया कि आरसीए की पूर्व कार्यकारिणी ने जमकर भ्रष्टाचार किया और जब एडहॉक कमेटी ने पूरे मामले की जांच की, तो करोड़ों रुपए की वित्तीय अनियमिताएं पाई गई। इसके बाद एसोसिएशन की पूर्व कार्यकारिणी पर ज्योति नगर थाने में पूर्व सचिव, पूर्व कोषाध्यक्ष और पूर्व संयुक्त सचिव के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई गई है। जयदीप बिहाणी ने कहा कि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की पिछली कार्यकारिणी ने एसएमएस स्टेडियम के रिनोवेशन, राजस्थान प्रीमियर लीग के आयोजन और चौंप में बन रहे वर्ल्ड क्लास क्रिकेट स्टेडियम मे जमकर भ्रष्टाचार किया. जयदीप बिहाणी ने यह भी कहा कि कमेटी ने पूरे मामले की जांच एक निष्पक्ष एजेंसी के द्वारा करवाई और इसकी एक 363 पन्नों की ऑडिट रिपोर्ट तैयार की गई।

इस ऑडिट रिपोर्ट में काफी कुछ अनियमितताएं सामने आई हैं। इसमें स्टेडियम के निर्माण से लेकर आईपीएल मैच के दौरान टेंडर जैसे घोटाले भी शामिल हैं।

ज्योति बाधा दौड़ के सेमीफाइनल में पहुंचने में असफल रही

पेरिस, 8 अगस्त। भारतीय धाविका विजेता ज्योति याराजी ने गुरुवार को स्टेड डी फ्रांस में महिलाओं की 100 मीटर हर्डल रेस रेपेचेज राउंड में 13.17 सेकेंड का समय लेकर हीट 1 में चौथा स्थान पर रही। चौथे स्थान पर रहने के कारण वह पेरिस ओलंपिक में प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाने में असफल रही। प्रत्येक हीट से केवल शीर्ष दो एथलीट ही राउंड में जाते है। याराजी ओलंपिक में 100 मीटर बाधा दौड़ में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली महिला एथलीट थीं। उन्होंने राउंड-1 में 13.16 सेकेंड का समय के साथ आज की रेपेचेज स्पर्धा में जगह बनाई थी।

गोल्फ में दीक्षा 7 स्थान नीचे खिसक गई, अदिति टी-14 पर रही

पेरिस, 8 अगस्त। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक और दीक्षा डागर गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में महिला गोल्फ टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गईं।

पदक से चूकी मीराबाई, चौथे स्थान पर रही

मीराबाई ने पेरिस में अपना जन्मदिन मनाया

नई दिल्ली, 8 अगस्त। तोक्यो ओलिंपिक में रजत पदक जीतने वाली भारोत्तोलक मीराबाई चानू बुधवार को यहां पेरिस ओलंपिक के 49 किलोग्राम वर्ग में चौथे स्थान पर रहते हुए पदक से चूक गईं। मीराबाई ने स्नैच में 88 और क्लीन एवं जर्क में 111 से कुल 199 किग्रा का वजन उठाया। इससे वह महज एक किलोग्राम से पदक से चूक गईं। स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार चीन की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन होउ झिहुई ने क्लीन एवं जर्क में ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने कुल 206 (स्नैच 89, क्लीन एवं जर्क 117) किग्रा वजन उठाया। रोमानिया की वालेंटिना कैम्बेई 206 (93 और 112) किग्रा से रजत और थाईलैंड की सुरोदचना खाम्बो 200 (88 और 112)किग्रा के वजन से कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं।

कूल्हे की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहीं मीराबाई ने स्नैच में पहले प्रयास में आसानी से 85 किग्रा वजन उठाया और दूसरे प्रयास में 88 किग्रा उठाने में विफल रहीं। पर तीसरे प्रयास में उन्होंने 88 किग्रा का वजन उठाकर बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के स्नैच के प्रदर्शन की बराबरी की।

मीराबाई चानू ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक गांव (पेरिस) में अपना 30वां जन्मदिन मनाया।

राजधानी

अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देकर हासिल करेंगे किसानों को दिन में बिजली देने का लक्ष्य : हीरालाल नागर

जयपुर । ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राज्य सरकार अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देकर प्रदेश के किसानों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली देने के लिए तत्परता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हमारी सरकार ने मात्र 7 माह की अल्पावधि में कुसुम सी योजना में 4386 मेगावाट के प्रोजेक्ट्स के एलओआई जारी कर दिए हैं। इन अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को धरातल पर मिशन मोड में क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के ऊर्जा उपक्रमों की मजबूत साझेदारी से राजस्थान जल्द ही ऊर्जा के क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भर बनेगा बल्कि अन्य राज्यों को बिजली उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राजस्थान अक्षय ऊर्जा बिजनेस प्रमोशन समिट-2024 में राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम तथा गेल इंडिया के बीच 4200 करोड़ रु. के एमओयू पर हस्ताक्षर किये गए।

- धौलपुर व रामगढ़ प्लांट को उचित दर पर होगी गैस की पर्याप्त आपूर्ति, 1000 मेगावाट अक्षय ऊर्जा का उत्पादन होगा : ऊर्जा मंत्री
- राजस्थान ने बंडलिंग के जरिए प्रस्तुत किया सस्ती बिजली का अनूठा उदाहरण : संदीप गुप्ता

नागर गुरुवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राजस्थान अक्षय ऊर्जा बिजनेस प्रमोशन समिट-2024 में अक्षय ऊर्जा से सम्बंधित हितधारकों (स्टेक होल्डर्स) को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम तथा गेल इंडिया के बीच 4200 करोड़ रु. के एमओयू पर हस्ताक्षर किये गए। इस एमओयू के माध्यम से गेल इंडिया धौलपुर में स्थापित 330 मेगावाट व रामगढ़ में स्थापित 270.5 मेगावाट के गैस आधारित बिजली संयत्रों को कुषल एवं उपयुक्त क्षमता पर संचालन के लिए संयुक्त उद्यम के माध्यम से हस्तांतरित करने की संभावनाओं को तलाषने के साथ ही पर्याप्त मात्रा में उचित दर पर गैस की सुनिश्चित आपूर्ति करेगा। साथ ही, अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में 750 मेगावाट सौर ऊर्जा और 250 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित हो सकेंगी। इसके माध्यम से 4200 करोड रूपए का निवेष होगा। गेल इंडिया की तरफ से कंपनी के कार्यकारी निदेशक श्री सुमित किशोर एवं राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री देवेंद्र श्रृंगी ने हस्ताक्षर किये।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रदेश का पष्चिमी भू-भाग राजस्थान को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि इस बिजनेस समिट में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र से जुडे हितधारक अपने सुझावों व समस्याओं को साझा करेंगे। उनके उचित सुझावों एवं समस्याओं पर सरकार सहानभूति से विचार करेगी और आवश्यक होने पर नीतिगत बदलाव भी करेगी।

नागर ने कहा कि प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में राजस्थान को केंद्र सरकार से पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन मिल रहा है। सरकार बनने के दो माह बाद ही हमने एनटीपीसी, कोल इंडिया, पावर ग्रिड, सतलज जल विद्युत निगम तथा आरईसी जैसे देष के प्रतिष्ठित सार्वजनिक उपक्रमों के साथ 1 लाख 60 हजार करोड़ रूपए के एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे। इससे आने वाले समय में 31 हजार 825 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा और प्रसारण तंत्र भी मजबूत होगा।

ऊर्जा मंत्री ने अपने हाल के दिल्ली दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर के निर्देश पर राजस्थान को केंद्र ने अपने अनावंटित कोटे से 265 मेगावाट अतिरिक्त बिजली प्रदान की है। उन्होंने बताया कि इसे मिलाकर वर्तमान में राजस्थान को इस विषम परिस्थिति में अनावंटित कोटे से एक हजार मेगावाट बिजली उपलब्ध हो रही है जिससे निर्बाध आपूर्ति बनाये रखने में मदद मिली है। नागर ने कहा कि केंद्र सरकार ने राजस्थान को 2 हजार मेगावाट बैटरी स्टोरेज क्षमता विकसित करने में भी भरपूर सहयोग के लिए आष्वस्त किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ऊर्जा क्षेत्र के कायाकल्प के लिए पूरी इच्छाशक्ति के साथ मजबूत फैसले ले रही है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक ने कहा कि पहली बार किसी राज्य सरकार ने स्टेक होल्डर्स के रूप में डवलपर्स, सोलर उपकरण निर्माताओं, वित्तीय संस्थानों, ईपीसी कांट्रेक्टर, किसानों आदि की महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हुए उन्हें अक्षय ऊर्जा के विकास में भागीदार बनाया है। इसके पीछे मुख्यमंत्री जी की स्पष्ट मंशा है कि विकसित राजस्थान के लक्ष्य को साकार करने में आमजन को सहभागी बनाया जाये। उन्होंने आष्वस्त किया कि ऊर्जा विभाग इस एमओयू का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव प्रयास करेगा और यह समिट एवं समझौता राजस्थान के ऊर्जा क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। गेल इंडिया के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक संदीप गुप्ता ने कहा कि राजस्थान सरकार ने इन एमओयू के माध्यम से गैस प्लांट एवं अक्षय ऊर्जा की बंडलिंग कर सस्ती ऊर्जा प्राप्त करने का अनूठा उदाहरण पूरे देश के सम्मुख प्रस्तुत किया है। इससे प्राप्त बिजली की दर तो कम होगी ही और पीक लोड डिमांड को भी पूरा किया जा सकेगा।

राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष आलोक गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेशवासियों को बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित है और उनके नेतृत्व में राजस्थान का ऊर्जा क्षेत्र प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। जोधपुर डिस्कॉम के एमडी ओम प्रकाश कसेरा ने कहा कि स्टेक होल्डर्स को एक ही मंच पर लाने की राज्य सरकार की अभिनव पहल नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान को नए आयाम प्रदान करेगी। कार्यक्रम में राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक नथमल डिडेल सहित सभी बिजली कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी तथा अक्षय ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े लगभग 900 हितधारक मौजूद थे।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने 'हर घर तिरंगा' अभियान शुरू किया

कैबिनेट मंत्री व झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने अपने विधानसभा क्षेत्र में जनता के साथ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहरा कर ''हर घर तिरंगा अभियान'' का शुभारंभ किया। वार्ड 48 की पार्षद कुमकुम शक्तावत के वार्ड कार्यालय पर आयोजित इस कार्यक्रम में जनसैलाब उमड़ा।

जयपुर। कैबिनेट मंत्री व झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने गुरूवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में जनता के साथ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहरा कर "हर घर तिरंगा अभियान" का शुभारंभ किया। वार्ड 48 की पार्षद कुमकुम शक्तावत के वार्ड कार्यालय पर आयोजित इस कार्यक्रम में जनसैलाब उमड़ा।

भाजपा नेता शक्ति सिंह मानपुरा ने बताया कि झोटवाड़ा विधानसभा के लोगों ने कर्नल राठौड़ को साफा-माला पहनाकर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान पार्षद कुमकुम शक्तावत, अर्चना शर्मा, विकास बारेठ, महादेव बागड़ा व सत्येन्द्र सतनाली उपस्थित थे। शक्ति सिंह ने बताया कि कर्नल राठौड़ व पार्षदों ने घर-घर जाकर तिरंगा वितरित किया। अमरनगर, जनक विहार,पश्चिम विहार, ब्रजराज एनक्लेव, गली नंबर 5 से होते हुए पार्षद कार्यालय पर सभा का आयोजन किया गया। यहां मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने 1100 तिरंगे झंड़े वितरित किए।

इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा त्याग, निष्ठा व शांति का प्रतीक है। राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में न जाने कितने ही देश भक्तों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। हर घर तिरंगा अभियान उन सभी नायकों को याद करने, राष्ट्रप्रथम का संकल्प लेने और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने का माध्यम है।

अवैध खनन को नहीं रोकने पर मांगा जवाब

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने डीग की पहाड़ी तहसील में हो रहे अवैध खनन को नहीं रोकने के मामले में मुख्य सचिव, प्रमुख खान सचिव, खान निदेशक, संभागीय आयुक्त, डीग कलेक्टर और एस.पी. सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश विजय मिश्रा व अन्य की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सलूम्बर से भाजपा विधायक अमृतलाल मीणा का बुधवार देर रात को निधन हो गया। गुरुवार को उनकी पार्थिव देह का अंतिम संस्कार किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सलूम्बर पहुँचकर अमृतलाल मीणा की पार्थिव देह को पुष्पांजलि अर्पित की।

ई.डी. ने जल जीवन मिशन घोटाले में चार्जशीट पेश की

- ई.डी. ने चार्जशीट में चारों आरोपियों, पदम चन्द जैन, संजय बडाया, महेश मित्तल व मुकेश पाठक के खिलाफ अवैध तरीके से अपनी फर्मों में 500 करोड़ रूपए जमा करने का आरोप लगाया है।
- ई.डी. का आरोप है कि आरोपियों ने बिल पास कराने और टैंडर हासिल करने और लोक सेवकों से संरक्षण प्राप्त करने के लिए पी.एच.ई.डी. में भारी रिश्वत दी थी।

जयपुर, 8 अगस्त (का.सं.)। एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) मामलों की विशेष अदालत में गुरुवार को ई.डी. ने जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर दर्ज मनी लॉण्डरिंग के मामले में चार आरोपियों पदम चंद जैन, महेश मित्तल, संजय बडाया और मुकेश पाठक के खिलाफ चार्जशीट पेश की है।

चार्जशीट में धन शोधन निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं में आरोप लगाए गए हैं। इससे पहले 24 अप्रैल को ई.डी. ने ठेकेदार पदम चंद जैन के बेटे पीयूष जैन के खिलाफ अभियोजन शिकायत दर्ज की थी। चार्जशीट में कहा गया कि ई.डी. ने ए.सी.बी. दर्ज एफ.आई.आर. के बाद प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। जिसमें पाया गया कि पदम चंद जैन, महेश मित्तल और पीयूष जैन टेंडर हासिल करने, बिल मंजूर करवाने और लोक सेवकों से अवैध संरक्षण प्राप्त करने के लिए पी.एच.ई.डी. में रिश्वत देने में शामिल थे। आरोपी हरियाणा से चोरी का माल खरीदने में भी शामिल थे और टेंडर हासिल करने के लिए उनका इस्तेमाल कर रहे थे। आरोपपत्र में कहा गया है कि पदम चंद जैन और महेश मित्तल सहित आरोपियों से संबंधित फर्मों के बैंक खातों में लगभग 500 करोड़ रुपये जमा हुए थे। उन्हें जो भी पैसा मिला वह पी.एम.एल.ए. अधिनियम के तहत अपराध की आय है। आरोप पत्र में कहा गया कि आरोपी मुकेश पाठक इरकॉन में स्टेनोग्राफर था और उसने मेसर्स गणपति ट्यूबवेल और मेसर्स श्याम ट्यूबवेल के लिए फर्जी और मनगढ़ंत प्रमाण पत्र बनाए थे। यह दोनों फर्म महेश मित्तल और पदम जैन की हैं। आरोपी संजय बडाया निजी ठेकेदारों से टेंडर राशि का 2.5 से 3 प्रतिशत तक वसूल कर रहा था। यह राशि टेंडर लेने वाली फर्म को सुविधाएं देने के बदली ली गई थी। उसने आरोपी ठेकेदारों महेश मित्तल और पदम चंद जैन से लगभग 5 करोड़ रुपये की रिश्वत ली थी।

सलूम्बर से भाजपा विधायक अमृतलाल मीणा का निधन

राजकीय सम्मान से अंतिम विदाई, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पुष्पांजलि अर्पित की

- बुधवार रात अचानक तबियत बिगड़ने पर अमृतलाल मीणा को उदयपुर के एम.बी. अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, वहां उनका निधन हो गया।
- अमृतलाल मीणा की मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति साफ होगी।
- सलूम्बर से लगातार तीन बार विधायक रहे अमृतलाल मीणा 20 साल से राजनीति में थे और क्षेत्र में भाजपा के कद्दावर नेता माने जाते थे।

उदयपुर, 8 अगस्त (कासं)। सलूम्बर से लगातार तीन बार भाजपा के विधायक रहे अमृतलाल मीणा (65) का बुधवार देर रात उदयपुर के एम.बी. अस्पताल में निधन हो गया। जानकारी अनुसार बुधवार रात अचानक तबीयत बिगड़ने पर विधायक अमृतलाल मीणा को उदयपुर के एम.बी. अस्पताल लाया गया और रात करीब दो बजे उनका निधन हो गया। उनकी मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति साफ होगी। गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे उनकी पार्थिव देह उदयपुर से उनके पैतृक गांव लालपुरिया (सलूम्बर) लाई गई। यहां पार्थिव देह को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था। इससे पहले दोपहर करीब डेढ़ बजे उनकी पार्थिव देह को सलूम्बर के डाक बंगला में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया, जहां लोगों ने उन्हें पुष्पांजलि दी। वे विधानसभा में भी जनता की बात मजूबती से उठाते रहे और सलूम्बर क्षेत्र में विधायक रहते हुए उन्होंने कई बड़े विकास कार्य भी करवाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सलूम्बर विधायक अमृतलाल मीणा के आकस्मिक निधन पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। शर्मा ने गुरुवार को सलूम्बर के लालपुरिया (सेमारी) पहुंचकर मीणा की पार्थिव देह पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया एवं शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि अमृतलाल के आकस्मिक निधन का समाचार स्तब्ध कर देने वाला है। उनका निधन प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि मीणा वर्ष 2013 से बतौर विधायक लगातार तीन बार से सलूम्बर की जनता की सेवा में जुटे हुए थे। समाजसेवा और जनता के हित में वे हमेशा तत्पर रहते थे। शर्मा ने कहा कि स्व. अमृतलाल ने अपने जीवन में समाज के वंचित वर्गों के लिए निस्वार्थ भाव से काम किया और क्षेत्र के विकास में अद्वितीय योगदान दिया। उनको एक जनप्रिय नेता के रूप में सदैव याद किया जाता रहेगा। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा, सहकारिता राज्यमंत्री गौतम दक, राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी, गोगुन्दा विधायक प्रताप गमेती, श्रीचंद कृपलानी, समाजसेवी दिनेश भट्ट सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, ग्रामीणजन आदि उपस्थित रहे। मीणा के निधन के समाचार के पश्चात मुख्यमंत्री शर्मा ने गुरुवार को प्रस्तावित सभी कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया था।

जानकारी के अनुसार इस बार के बजट सत्र में भी उन्होंने विधानसभा में 98 लिखित सवाल लगाए उनमें से 10 सवालों का जवाब आ चुका है और 88 सवाल का जवाब आना बाकी था। जनहित के इन सभी सवालों का जवाब आता उससे पहले ही अमृतलाल मीणा जनता के बीच से विदा हो गए।

एमबी अस्पताल अधीक्षक आरएल सुमन के अनुसार विधायक अमृतलाल मीणा को बुधवार रात करीब सवा एक बजे एमबी अस्पताल लाया गया। उस समय विधायक मीणा की सांसे नहीं चल रही थी, धडकनें बंद हो चुकी थीं। इमरजेंसी में ही काफी प्रयास किया गया। डॉक्टर्स की टीम ने करीब पौन घंटा काफी प्रयास किया। रात करीब दो बजे विधायक मीणा का निधन हो गया। सलूम्बर जिले के लालपुरिया गांव में साल 1959 में जन्मे अमृतलाल मीणा करीब 20 साल राजनीति में सक्रिय रहे। अमृतलाल ने साल 2004 में पंचायत समिति सराडा के सदस्य के तौर पर राजनीति की शुरुआत की थी।

जिला न्यायालयों के जज सिर्फ 15 हजार मासिक पैंशन में गुजारा कैसे करें?

नयी दिल्ली, 8 अगस्त (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीशों को दी जा रही अल्प पेंशन के मुद्दों पर विचार करे।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने 'ऑल इंडिया जजेज एसोसिएशन' द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वे मामले से संबंधित न्यायमित्र के साथ विचार-विमर्श कर इस मुद्दे का हल निकालें।

पीठ ने शीर्ष विधि अधिकारियों अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर से कहा, हम जिला न्यायपालिका के संरक्षक होने के नाते आपसे ऐसा करने (हल) का आग्रह करते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि पेंशन संबंधी शिकायतों को लेकर जिला न्यायाधीशों द्वारा न्यायालय के समक्ष कई याचिकाएं दायर की जा रही हैं। अटॉर्नी जनरल वेंकटरमणी और सॉलिस्टर जनरल मेहता ने केंद्र का पक्ष रखते हुए पीठ से जिला न्यायालय के न्यायाधीशों के पेंशन संबंधी पहलुओं से संबंधित मामले पर बहस करने के लिए कुछ समय देने की गुहार लगाई। पीठ ने कहा कि जिला न्यायाधीशों को पेंशन के रूप में केवल 15,000 रुपये मिल रहे हैं। पीठ ने आगे कहा, जिला न्यायाधीश उच्च न्यायालयों में आते हैं। आम तौर पर उन्हें 56 और 57 वर्ष की आयु में उच्च न्यायालयों में पदोन्नत किया जाता है।

पैरिस ओलंपिक में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुये जैवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने सिल्वर मैंडल जीत लिया है। नीरज चोपड़ा 89.45 मीटर का थ्रो फेंककर प्रतियोगिता में दूसरे पायदान पर रहे और भारत के लिए सिल्वर मैंडल पक्का किया। नीरज चोपड़ा ने दूसरे प्रयास में अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन दिखाते हुये 89.45 मीटर दूर भाला फेंका। नीरज ने क्वालिफिकेशन राउण्ड में 89.34 मीटर दूर भाला फेंका था। नीरज इकलौते भारतीय खिलाड़ी हैं जिनके नाम ओलंपिक में दो मैंडल दर्ज हो गये हैं।

ई.डी. का अधिकारी 20 लाख रु. रिश्वत लेते गिरफ्तार हुआ

नई दिल्ली, 8 अगस्त। सी.बी.आई. ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) के एक सहायक निदेशक को 20 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए ईडी अधिकारी की पहचान संदीप सिंह यादव के रूप में हुई है। सीबीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि ईडी अधिकारी को दिल्ली के लाजपत नगर इलाके से गिरफ्तार किया गया है।

सी.बी.आई. के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) ने तीन और चार अगस्त को जौहरी के परिसरों पर छापेमारी की थी जिसके बाद सहायक निदेशक संदीप सिंह यादव ने उन्हें 25 लाख रुपये न देने पर जौहरी के बेटे को गिरफ्तार करने की कथित तौर पर धमकी दी थी। अधिकारियों ने बताया कि बातचीत के दौरान 20 लाख रुपये की रिश्वत देने पर बात तय हुई। उन्होंने बताया कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अधिकारी यादव को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया। सीबीआई को शिकायत मिली और उसी के आधार पर कार्रवाई करते हुए जाल बिछाया गया।

हैदराबाद में नॉन वैज की....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की आबादी का बड़ा तबका नॉन वैज भोजन खाता है। समस्या स्विगी जैसी फूड डिलीवरी ऐप के साथ है जिसके डिलीवरी एग्ज़ीक्युटिव ग्राहकों के नॉन वैज ऑर्डर पहुंचाने से इन्कार कर रहे हैं।

अगर इस तरह की घटनाएं बढ़ीं तो यह बड़ी समस्या बन सकता है खासकर अपने लंच ऑर्डर का इंतजार कर रहे लोगों के लिए एक कस्टमर ने बताया कि कुछ अन्य लोकल कूरियर के डिलीवरी एग्ज़ीक्युटिव और डिलीवरी एप्स भी नॉन वैज फूड के पैकेट ले जाने से इन्कार कर रहे हैं।

एक मध्यम वर्गीय महिला ने बताया कि वह शहर में काम करने वाले अपने बेटे को लंच भेज रही थी और स्विगी के डिलीवरी एग्ज़ीक्युटिव ने मना कर दिया कि वह लंच बॉक्स नहीं ले जाएगा क्योंकि इसमें चिकन करी है। यहीं नहीं डिलीवरी पार्टनर ने पहले महिला से पूछा टिफिन में क्या है फिर उसने इन्कार कर दिया। पर उसने इतनी मदद अवश्य डिलीवरी की रिक्वैस्ट किसी अन्य को दे दी जिसे नॉन वैज के साथ कोई प्रॉब्लम नहीं थी।

सिकंदराबाद की एक अन्य महिला को भी ऐसा ही अनुभव हुआ जब एक स्विगी जिनी पार्टनर ने उसका फूड पैकेट ले जाने से मना कर दिया क्योंकि उसमें बिरयानी थी।

हैदराबाद में भी कुछ लोगों ने ऐसी शिकायते की हैं। आमतौर पर कूरियर करने वाले यह नहीं पूछते हैं कि पैकेट में क्या है पर अब वर्कर्स यूनियन ने भी अपने सदस्यों को प्रोत्साहित कर रही है कि वे कस्टमर से पूछे कि पैकेट में क्या है ताकि उन्हें ऐसी कोई चीज न ले जानी पड़े जो वे नहीं चाहते हैं।

तेलंगाना गिग एवं प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन अपने सदस्यों को कह रही है कि पार्सल स्वीकार करने से पहले उसमें क्या है यह जानना जरुरी है।

ट्रेड यूनियन के पदाधिकारी ने कहा कि यह जागरुकता जरुरी है ताकि ये लोग "ड्रग ट्रांसपोर्ट" में ना फंसे। पर ऐसे महीनों में जब हिंदू त्यौहार ज्यादा पड़ते हैं तब ये लोग नॉन वैज भोजन के पैकेट लेने से भी इन्कार कर रहे हैं।

एक डिलीवरी एग्ज़ीक्युटिव ने कहा कि कुछ लोग ऐसा कर रहे हैं अधिकांश को नॉन वैज से कोई फर्क नहीं पड़ता हैं पर कुछ के साथ निजी समस्याएं हैं और वे इन्कार कर देते हैं।

चंद्रबाबू नायडू के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सम्बन्धित संशोधन लाने की क्षमता नहीं है। कांग्रेस नेता के.सी.वेणुगोपाल ने इस विधेयक को "संविधान पर आधारभूत हमला बताया, क्योंकि यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 26 का उल्लंघन करता है, जो धार्मिक मामलों के प्रबन्धन की स्वतन्त्रता से सम्बन्धित है। राज्य वक़्फ़ बोर्डों तथा केन्द्रीय वक़्फ़ परिषद की संचालन समिति के सदस्यों के रूप में गैर-मुस्लिमों को शामिल करने के प्रस्तावित संशोधन पर प्रतिक्रिया देते हुये, वेणुगोपाल ने पूछाः "जब राम मंदिर के निर्माण के लिये कमेटी गठित हुई थी, क्या उस समय गैर-हिन्दुओं को इसका सदस्य बनाया गया था?" उन्होंने आरोप लगाया कि यह विधेयक हरियाणा एवं महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों को मद्देनजर रखते हुये लाया गया है। सुदीप बंदोपाध्याय (टी.एम.सी.) ने कहा कि यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करता है, जो आदेशित करता है कि राज्य किसी भी व्यक्ति को कानून के समक्ष समानता के अधिकार से इनकार नहीं कर सकता। द्रमुक सांसद कनिमोई ने कहा कि इस विधेयक के निशाने पर अल्पसंख्यक हैं तथा यह उस स्वप्न को नष्ट कर देगा, जो हमारे पूर्वजों ने इस देश के लिये देखा था। सपा नेता अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा इस विधेयक को अपने कट्टरपंथी समर्थकों को खुश करने के लिये लाई है, क्योंकि लोकसभा चुनावों में पार्टी को धक्का लग चुका है।

किन्तु, अल्पसंख्यक मामलात के मन्त्री अपनी इस बात पर जमे रहे कि यह विधेयक सामान्य मुस्लिमों को न्याय देने के लिये लाया गया है क्योंकि सरकार को वक़्फ़ सम्पत्तियों के दुरुपयोग के बारे में अनेकानेक शिकायतें मिली हैं।

'विपक्ष के कई नेता, जो अब...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। कई सांसदों ने मुझे निजी तौर पर बताया था कि वक़्फ़ बोर्ड माफ़ियाओं के कब्जे में हैं, लेकिन अब वे ही विधेयक का विरोध कर रहे हैं।

रिजिजू ने दावा किया कि वक़्फ़ (संशोधन) विधेयक गहन विचार-विमर्श के बाद लाया गया है।

विपक्षी सदस्यों द्वारा व्यक्त की गई चिन्ताओं का जवाब देते हुए रिजिजू ने कहा कि वक़्फ़ विधेयक के अन्तर्गत किसी भी धार्मिक निकाय की स्वतंत्रता के साथ हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि कानून के मसौदे में संविधान के प्रावधान का उल्लंघन नहीं किया गया है।

संशोधित विधेयक में सैन्ट्रल वक़्फ़ बोर्ड काउन्सिल और राज्य वक़्फ़ बोर्डों के विस्तृत संयोजन का प्रस्ताव है तथा इसमें यह सुनिश्चित किया गया है कि प्रकार के निकायों में मुस्लिम महिलाओं और गैर-मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व भी हो। वक़्फ़ (संशोधन) अधिनियम वर्ष 2013 में प्रावधान था कि उपधारा (1) से (8) के अन्तर्गत नियुक्त होने वाले कम से कम दो सदस्य महिला होनी चाहिए।"

नए विधेयक में भी महिलाओं को सदस्य के रूप में अहमियत दी गई है, लेकिन आगे यह भी जोड़ा गया है कि "वक्फ हलाल औलाद" के निर्माण से तात्पर्य महिलाओं को विरासत के अधिकार से इनकार करना नहीं है।"

विधेयक में बोहरा और आगाखानियों के लिए 1 अलग बोर्ड के गठन का प्रावधान है।

विधेयक के मसौदे में शिया, सुन्नी, बोहरा, आगाखानी तथा मुस्लिम समुदाय के अन्य पिछड़ा वर्गों को प्रतिनिधित्व देना प्रस्तावित है। इसका उद्देश्य स्पष्ट रूप से यह परिभाषित करना है कि "वक़्फ़ का मतलब है कोई भी व्यक्ति जो कम से कम पांच साल से इस्लाम का अनुयायी है तथा इस प्रकार की सम्पत्ति का स्वामित्व उसके पास है।

विधेयक का एक उद्देश्य एक सैन्ट्रल पोर्टल तथा डेटाबेस के माध्यम से वक़्फ़ का रजिस्ट्रेशन करना है। किसी प्रॉपर्टी को वक़्फ़ प्रॉपर्टी के रूप में रिकॉर्ड करने की पूर्व सभी संबंधित पक्षों को नामान्तरण के लिए राजस्व कानूनों के अनुसार उचित नोटिस देने के लिए एक विस्तृत प्रक्रिया निर्धारित की गई है।

वर्ष 1995 का वक़्फ़ अधिनियम किसी "वाकिफ" द्वारा दी गई "ऑक़फ़"(दान की गई एवं वक़्फ़ के रूप में अधिसूचित की गई सम्पत्ति) के नियमतिकरण को लेकर लाया गया था। वाकिफ उस व्यक्ति को कहते हैं जो मुस्लिम कानून के अन्तर्गत धार्मिक अथवा दान योग्य के रूप में प्राधिकृत किसी सम्पत्ति को समर्पित करता है।)

अधिनियम में अंतिम बार वर्ष 2013 में संशोधन किया गया था।

सरकार अचानक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देना तथा वक़्फ़ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों को शामिल करना। वक़्फ़ बोर्ड में महिलाओं को लाने का भी प्रावधान किया जा रहा है।

प्रश्न यह है कि क्या सरकार वक़्फ़ की जमीन पर कब्जा करना चाहती है, तथा इसके साथ ही, क्या यह कुछ महत्वपूर्ण लोगों की मदद करने का प्रयास है।

मुकेश अंबानी का "एन्टीलिया" वक़्फ़ की जमीन पर ही है, तथा इसी प्रकार, क्या यह अंबानी, जो नरेन्द्र मोदी के अच्छे मित्र हैं, की मदद करने की कोशिश है।

राहुल गांधी ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिखा कि साथी सांसदों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

हालांकि, राहुल गांधी ने मीटिंग का ब्यौरा नहीं दिया पर उन्होंने कहा कि आज लोकसभा में कांग्रेस सांसदों की मीटिंग हुई, जिसमें राहुल गांधी मौजूद थे तथा कई मसलों पर चर्चा हुई।

गोगोई ने पत्रकारों को बताया कि बांग्लादेश, चीन, सुप्रीम कोर्ट के फैसले व संसद में आज की कार्यवाही पर चर्चा हुई।

उन्होंने कहा कि राहुल ने सांसदों से जनता से जुड़े मुद्दे उठाने की अपील की।

कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने एक्स पर लिखा कि राहुल गांधी जी के नेतृत्व में लोकसभा सदस्यों की मीटिंग हुई। गांधी की पार्टी नेताओं के साथ बैठक से कुछ दिन पहले कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पार्टी सांसदों के साथ बैठक की थी।

पैकेज़्ड फूड पर वॉर्निंग लेबल्स नहीं होने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुँचा

याचिका में सभी तरह के पैकेज़्ड फूड के फ्रंट पर शुगर और फैट की जानकारी लिखे जाने की मांग की गई है

- याचिका में कहा गया है कि जून 2023 तक, भारत में लगभग 10.1 करोड़ लोग डायबिटीज़ से पीड़ित थे, जबकि 13.6 करोड़ प्रीडायबिटीज़ से पीड़ित हैं। देश में 31.5 करोड़ लोग हाई ब्लू प्रेशर से और 25.4 करोड़ लोग मोटापे से ग्रस्त हैं। पैकेज़्ड फूड इस तरह की बीमारियों को खुलेआम बढ़ावा दे रहे हैं।

नई दिल्ली, 8 अगस्त। देश में बढ़ते मधुमेह (डायबिटीज) की बीमारी को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई है और शीर्ष न्यायालय से डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों पर फ्रंट-ऑफ-पैकेज वार्निंग लेबल्स को अनिवार्य रूप से लागू करने के लिए न्यायिक हस्तक्षेप करने की मांग की गई है। यानी सभी तरह के पैकेज्ड फूड के ऊपर शुगर और फैट की जानकारी देना अनिवार्य करने की गुहार लगाई गई है, ताकि लाखों लोगों को मधुमेह जैसी गंभीर बीमारी से बचाया जा सके। इसके साथ ही याचिका में कहा गया है कि कोर्ट एफ.ओ.पी.डब्ल्यू.एल. का कड़ाई से पालन करने के लिए केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दे।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस याचिका पर चार सप्ताह में जवाब मांगते हुए सभी पक्षों को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई अब 27 अगस्त को होगी। इस पीठ में सीजेआई के अलावा जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। ये याचिका "3एस एंड अवर हेल्थ सोसाइटी" नामक संस्था ने एडवोकेट राजीव शंकर द्विवेदी के माध्यम से दाखिल की है।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, जनहित याचिका में सभी तरह के डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों के ऊपर डिटेल लेबल की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया है और मांग की गई है कि पैकेज्ड खाद्य पदार्थों में इस्तेमाल शुगर, नमक और सैचुरेटेड फैट की मात्रा को स्पष्ट रूप से उसके डब्बे पर इंगित किया जाय। याचिका में तर्क दिया गया है कि इस तरह की सूचना उपभोक्ताओं को पैकेज्ड खाद्य पदार्थ चुनने में सशक्त बनाएंगे। इससे लोगों में मधुमेह और अन्य गैर-संचारी रोगों के प्रसार को कम करने में मदद मिल सकेगी।

याचिका में यह भी कहा गया है कि ऐसी जानकारी डिब्बे के ऊपर होने से मोटापे, उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी जटिलताओं और बीमारियों से जूझ रहे लोग सचेत हो जाएंगे और सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

कालाडेरा में लोहा ढलाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने कानूनी कार्रवाई करने की बात भी कही है। जयपुर से एफ.एस.एल की टीम ने भी फैक्टरी में घटना स्थल से सैम्पल लिए हैं।

विधायक डॉ. शिखा मील बराला, चौमूं उपखण्ड अधिकारी दिलीप सिंह व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा आदि ने चौमूं शहर के निजी अस्पताल में इलाज करवा रहे घायलों से मिलकर हर संभव इलाज का आश्वासन दिया।

जानकारी के अनुसार, घायलों में श्यामलाल पुत्र प्रभुदयाल निवासी हाथनोदा, नानूराम पुत्र प्रभुदयाल निवासी हाथनोदा, सुरेश कुमार पुत्र नारायण लाल निवासी हाथनोदा थाना सामोद, चौथूराम पुत्र हरदेव निवासी खोराबिसल थाना मुरलीपुरा जयपुर शहर, अशोक चौधरी पुत्र फूलचंद निवासी बिहार राज्य, बबलू यादव पुत्र जयप्रकाश निवासी बिहार राज्य, विनोद पुत्र सुवालाल निवासी धानोता थाना अमरसर, मदन पुत्र राजेन्द्र कुशवाह निवासी धौलपुर, नेमीचंद पुत्र रोशन लाल कुशवाह निवासी धौलपुर, प्रमोद कुमार पुत्र द्वारिका निवासी बिहार राज्य, निखिल कुमार निवासी बिहार राज्य, बहादुर पुत्र देवनारायण निवासी नेपाल, प्रकाश चन्द दुसाद पुत्र भगवान सहाय निवासी नांगल भरडा थाना सामोद, ओमप्रकाश पुत्र रघुनाथ कुशवाह निवासी बिहार राज्य, निलेश कुमार पुत्र कमलेश सिंह कुशवाह निवासी बिहार राज्य तथा अजय शंकर, प्रियंका, चुनचुन, गरबरन शामिल हैं, जिनमें से सात घायलों का जयपुर के एस.एम.एस. अस्पताल में इलाज चल रहा है। बारह घायलों का चौमूं के निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। एक घायल को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है।

जयपुर जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित, जयपुर ग्रामीण एस.पी. शांतनु कुमार सिंह, चौमूं उपखण्ड अधिकारी दिलीप सिंह, जयपुर ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरि प्रसाद सोमानी, गोविन्दगढ़ डी.वाई.एस.पी. राजेश कुमार जांगिड़, तहसीलदार डॉ. विजयपाल तथा कालाडेरा थाना प्रभारी सहित, कई प्रशासनिक अधिकारियों ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। कहा जा रहा है कि कालाडेरा रीको औद्योगिक क्षेत्र में अधिकांश फैक्टरियों में सुरक्षा उपकरणों की कमी है। जानकारी के अनुसार कालाडेरा रीको औद्योगिक क्षेत्र में लगभग 300 इकाइयां स्थापित हैं, जिनमें से अधिकांश फैक्टरियों के पास तो फायर एन.ओ.सी. भी नहीं है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908